6 साल बेमिसाल
सामाजिक गतिविधियों का लेखा जोखा
सबसे पहले सबसे तेज

मासिक

# कुमावत इंडिया

कुमावत प्रगति ट्रस्ट की सामाजिक पत्रिका

Email : kumawatindiapatrika@gmail.com
Website : www.kumawatindiapatrika.in

वर्ष-7 | अंक- 10 मई-2024 पृष्ठ-32 मूल्य : ₹ 20.00

DPS AJMER
Sr. Sec. School
Tabiji Farm Road, Ajmer
ESTABLISHING
The Right Environment
We believe in building a modern culture using both traditional & next-generation tools. So, your child's natural talents can blossom.
SHASHI PAL KUMAWAT
Chairman
Archery & International
Level Shooting Range
Skating Rink
Swimming Pool
"DPS Wave Pulse"
Our Activities
Horse Riding Club
Won Laurels at the National Level
Karate Club
We have won Karate Championship at District, State & National Level.
Art & Craft
Tabiji Farm Road, Near D.D. Puram, Beawar Road, Ajmer
Web: www.dpsajmer.in
E-Mail: info@dpsajmer.in

## सम्पादकीय

हर्ष का विषय है कि हमारे समाज में भी नवजागर की मधुरवेला देखने को मिल रही है और उज्ज्वल भविष्य का आभास हो रहा है। हमने अपने परम्परागत व्यवसाय 'भवन निर्माण' के अलावा अन्य क्षेत्रों में न केवल कदम रखा बल्की सफलता के परचम फहराये हैं। नि:संदेह शिक्षा का इसमें महत्वपूर्ण योगदान रहा। हमारे समाज के युवा अच्छी नौकरियों व व्यवसायों में आये हैं और यह क्रम निरन्तर जारी है। यह हमारी सामाजिक चेतना में अभिवृद्धि तो कर ही रही है साथ ही सुख-शांति की समग्रता से नवसृजन का माध्यम भी बनी है।

समाज में नये सामाजिक संगठनों का बनना और लोगों को उससे सक्रिय रूप से जोड़ना भी पिछले 10-20 वर्षों में बढ़ा है। अच्छा है इनके माध्यम से हमें एक-दूसरे को जानने व समझने का अवसर मिला है। नये ढंग से सोचने और नवीन क्रम अपनाने से गतिशीलता दृष्टिगोचर हो रही है। यह जागरण का दौर है और सामुहिक प्रयासों से हमारे समाज का हर व्यक्ति इससे अछूता नहीं रहेगा तथा विचार मंथन अधिक प्रखरता से होगा। समाज अच्छे लोगों को संगठनों में चुनें न कि पदलोलुप व्यक्तियों को समाज का नेतृत्व सही लोगों के हाथों में रहे जो निस्वार्थ समाजसेवा के प्रति समर्पित हों। अब अर्जन और फिर संचय का दौर नहीं रहा बल्की अर्जन और निवेश का समय है। परिवर्तन के इस युग में समय के साथ चले बिना काम नहीं हो सकता। हम देख रहे हैं कि चिट्ठियों का स्थान अब ई-मेल और वाट्सएप जैसे माध्यम ने ले लिया है। सरकारी सुविधाओं एवं कार्यों के लिए Online आवेदन करना होता है। हमारे युवाओं ने तो गेजेट्स व कम्प्यूटर सिस्ट्म्स को अपना लिया है तथा 50 वर्ष से अधिक उम्र के लोग भी इसे अपनाकर खरीददारी, भुगतान, बैंकिंग, बिल पेमेंट Online करने लगे हैं। इन्हें शेष कार्य भी सीख लेने चाहिये। हमें सोचना होगा कि परिवर्तन से भरी इस युगसन्धि में उस तरह नहीं रहा जा सकता है जैसे पिछले वर्षों में था। हमें स्वयं को आधुनिकता की दौड़ में साथ-साथ चलना होगा। इससे व्यक्ति व समाज का समान हित साधन होगा और छोटे-छोटे कामों के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा तथा समय भी बचेगा। ऑनलाईन फ्रॉड के अनेक मामले आ रहे हैं, इसलिए ध्यान रहे अपना काम सावधानी से स्वयं करना ही श्रेयष्कर है।

जिन महान आत्माओं ने समाज में मानदण्ड स्थापित किये, यदि उनके व्यक्तित्व और कार्यों पर दृष्टि डालें तो पायेंगे कि उन्होंने परमार्थ को महत्व दिया और स्वयं को जन-कल्याण में झौंक दिया। उनकी विचारधारा पुण्य प्रयोजन, नवसृजन व विकासोन्मुखी रही थी। इनमें से अनेक समाजसेवियों ने स्वयं का समय व बचत को भी समाज उत्थान के पावन कार्य में लगा दिया था। इसलिए इन्हें बहुगुणित होकर परिणाम मिला। इससे जो सन्तुष्टि का सुख मिला वह उन्हें महान बनाता है। नवजागरण की इस प्रभातवेला में हम सभी कुछ न कुछ अवश्य देकर समाज को पुष्पित व पल्लवित करने में योगदान दें।

**हमारे समाज के विद्यार्थी बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण हुए हैं, उन सभी को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामना।**

**- रमेश चन्द कुमावत**


## कुमावत प्रगति ट्रस्ट

**पता : एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018**



| | | | |
|---|---|---|---|
| **संरक्षक** | : | जयकिशन सोकिल | **मो. 9829125428** |
| **अध्यक्ष** | : | रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट | **मो. 9887440666** |
| **उपाध्यक्ष** | : | रामप्रकाश कुमावत (मारवाल) | **मो. 9414074376** |
| **सचिव** | : | श्रीमती भारती तोंदवाल | **मो. 9414810584** |
| **कोषाध्यक्ष** | : | लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल | **मो. 9549656438** |
| **सदस्य ट्रस्टी** | : | सी.एम. कुमावत (बड़ीवाल) | **मो. 9829056063** |
| | | रमेश कुमावत (गेदर) | **मो. 9414554322** |
| | | चेतन बालोदिया | **मो. 9414052736** |
| | | मोहन लाल कुमावत | **मो. 9887557425** |
| **मुख्य सलाहकार** | : | सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा) | **मो. 9414994006** |
| **सलाहकार** | : | गिरधारी लाल सिंघनवाल | **मो. 9414263429** |

**सम्पादक मण्डल :** रमेश चन्द कुमावत (गैदर) सम्पादक -9414554322, जयसिंह गुड़ीवाल सह-सम्पादक 9461343432, मनीष कुमावत 9660702083, रमेश तोंदवाल 9460870125 रवि कुमावत 9829600411, लक्ष्मीनारायण सिरस्वा 9829791846, उर्वशी बालोदिया 9351680888, प्रिया मारवाल 9408093778 **पदेन सदस्य :** अध्यक्ष, सचिव एवं प्रकाशक।

**व्यवस्थापक मण्डल :** महेश चन्द जलान्धरा 9828118789, लालचन्द धुंधारिया 9413335998, सुरेन्द्र मारोठिया 9314820385, राजेश धुंधारिया 9314506330, राजेश कुमावत (मरोडिया) 9829097496, अशोक कुमावत -9352070394, श्रीमती शशि कला बालोदिया, मुकेश कारगवाल 9828606056 व राजसिंह बधानिया 9414238799 **उप-कोषाध्यक्ष :** खेमचंद खड़गटा 9829140629 **विधि सलाहकार :** राकेश कुमावत एडवोकेट 9829152561 विशेष आमंत्रित सदस्य : मनोज सिरस्वा।

**पत्रिका सहयोगी :**

**छत्तीसगढ़ :** रमेश कुमार तुनवाल **मो. 9425234397** **दिल्ली :** राधेश्याम घासोलिया **मो. 9818711580** **सूरत :** शुभकरण किरोड़ीवाल **मो. 9898097444** **वापी :** कृष्णगोपाल **मो. 9824892299** **मुम्बई :** विजय किरोड़ीवाल, **मो. 9867177188** **जींद (हरियाणा) :** बलवीर सिंह वर्मा **मो. 9355322301** **कोटा :** चन्द्र प्रकाश कांकर **मो. 9214983402** **सीकर :** रामगोपाल भोड़ीवाल **मो. 9610784657** **उदयपुर :** घनश्याम पटवा **मो. 9460913044**, जगदीश मामोडिया **मो. 9024805687** **ब्यावर :** नरेन्द्र आर्य **मो. 8107944493**, रवि बेडवाल **मो. 8290303003** **बगरू :** चेनसुख बड़ीवाल **मो. 9929012957** **सांगानेर :** सोहनलाल अजमेरा **मो. 9636860812** **इंदौर :** नेमीचंद कारवाल **मो. 9993998645** **किशनगढ़ :** प्रभुदयाल तुनगरिया **9680931428**

**प्रोसेसिंग व मुद्रक :** राज ब्लॉक्स, चौड़ा रास्ता व 22 गोदाम, जयपुर

**सदस्यता शुल्क रु. : विशिष्ट संरक्षक- 5000, संरक्षक-3000, 10 वर्षीय-1300 एवं 5 वर्षीय-650**

**विज्ञापन दरें : अंतिम कवर पृष्ठ-3500, कवर पृष्ठ अन्दर, 3000, अन्दर 1 पृष्ठ-2500, 1/2 पृष्ठ-1300, 1/4 पृष्ठ-700**

**नोट 1 :** संरक्षक सदस्य को आजीवन (25 वर्ष) तक पत्रिका प्रेषित व 1 बार मय फोटो परिचय प्रकाशन, विशिष्ट संरक्षक का आजीवन पत्रिका व प्रत्येक अंक में 10 वर्ष तक नाम का प्रकाशन।

**नोट 2.** 12 विज्ञापन निरन्तर देने पर 2 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किये जायेंगे। 6 विज्ञापन निरन्तर देने पर 1 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किया जायेगा।

**बैंक खाता : कुमावत प्रगति ट्रस्ट, संख्या 13850110020562 यूको बैंक, गांधी सर्किल, जयपुर, IFS Code : UCBA0001385** यदि राशि सीधे बैंक खाते में स्लिप/ऑनलाइन जमा कराई गई है तो कृपया व्हाट्सएप नं. 9549656438 पर रसीद प्रेषित करें।

**स्वत्वाधिकार :** कुमावत प्रगति ट्रस्ट के लिए प्रकाशक, मुद्रक सी.एम. कुमावत द्वारा राज ब्लॉक्स, बी-81, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018 से प्रकाशित, सम्पादक रमेश चंद कुमावत।

हमारी वेबसाइट www.kumawatindiapatrika.in पर आप 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के पिछले अंक व अन्य विवरण देख सकते हैं।


| | |
|---|---|
| सम्पादकीय | 3 |
| खेड़ापति बालाजी में 21 जोड़ों का विवाह | 5 |
| धर्मशाला के लिए भूमिदान | 5 |
| बूंदी सामूहिक विवाह में 36 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे | 5 |
| सूरतम में जादूगर आंचल की परफार्मेंस | 6 |
| सोनू कुमावत का देश में प्रथम स्थान | 6 |
| नीतू गैदर सेल्यूट तिरंगा जिला अध्यक्ष नियुक्त | 6 |
| ध्वनि कुमावत देवली ने 98.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जयपुर संभाग में प्रथम | 6 |
| गोपाल कुमावत टेलर ने ग्राहक की सोने की चेन लौटाई | 7 |
| सिविल डिफेंस के जवान पर रेस्क्यू के दौरान मधुमक्खियों ने हमला किया | 7 |
| रूपनगढ़ में समाज की नई कार्यकारिणी गठित | 7 |
| दुलीचंद बने जांच अधिकारी ग्रेट प्रथम | 7 |
| कुमावत समाज चित्तौड़गढ़ : प्रतिभा व भामाशाह सम्मान समारोह | 7 |
| डोर-टू-डोर कार्यक्रम के लिए देंगे आमंत्रण | 7 |
| नवीन मन्दिर में विराजे भगवान जानकी, लक्ष्मण, हनुमान संग रघुनाथ जी | 8 |
| माँ वैष्णो देवी की पदयात्रा 15 जुलाई को | 8 |
| श्री कुमावत क्षत्रिय सामूहिक विवाह समिति का चुनाव कार्यक्रम घोषित | 8 |
| दूषित खाद्य सामग्री-स्वास्थ्य की हानि | 9 |
| सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है , मिट्टी के मटके का पानी पीना | 9 |
| हीट स्ट्रोक (Heat Stroke) क्या है ? समझे और बचें ! | 10 |
| कुमावत समाज के होनहारों की सफलता की कहानियां, उनकी जुबानी | 11 |
| यादें | 12 |
| ईश्वर से भी ऊपर है - एक पिता | 13 |
| निर्जला एकादशी 18 जून 2024 | 14 |
| श्री श्याम सुमन वार्षिकोत्सव एवं भजन संध्या का हुआ आयोजन | 15 |
| लक्ष्मीनारायण कुमावत एयरफोर्स एसोसिएशन, प्रेसिडेंट निर्वाचित | 15 |
| राजस्थान बोर्ड 12वीं कला में युवरानी कुमावत ने 98 प्रतिशत अंक प्राप्त किए | 15 |
| हनुमान चालीसा की एक-एक चौपाई जीवन के हर क्षेत्र में सफलता देने वाली | 17 |
| रोज क्वार्ट्स हृदय चक्र का अनावरण | 17 |
| विज्ञापन | 18 |
| आचरण और व्यवहार हमारा सबसे बड़ा परिचय है | 19 |
| विचार-विमर्श : अंतिम संस्कार और उससे जुड़ी कुरीतियाँ | 20 |
| स्वावलम्बी व्यक्ति सदैव सुखी | 21 |
| योग-व्यायाम : वर्तमान जीवन के लिए आवश्यक | 22 |
| ध्यान से बढ़ती है जागरुकता | 22 |
| शयन कक्ष और वास्तु | 23 |
| विशिष्ठ संरक्षक सूची व श्रद्धांजलि | 24 |
| विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची | 25 |
| आवश्यक सूचनाएं व पत्रिका नहीं मिलने पर सम्पर्क सूत्र | 26 |
| भारतीय तोंदवाल ने परिंडा अभियान में सेवा एं दी | 27 |
| यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड एशिया पैसिफिक रीजनल रजिस्टर में रामचरितमानस, पंचतंत्र और सहृदयलोक-लोकन शामिल | 28 |
| श्रद्धांजलि विज्ञापन | 29 |
| बधाई विज्ञापन | 16, 30 |



# श्रीमती प्रेमलता
एवं
# खेमचंद कुमावत (खड़गटा)
## के विवाह की 40वीं वर्षगांठ
**9 जून, 2024**
पर **हार्दिक बधाई !**

शुभेच्छु
कृष्ण कुमार-श्रीमती नीना, भवानी शंकर ( भैया-भाभी )
श्रीमती तारा देवी-नेमीचन्द जी माचीवाल ( दीदी-जीजाजी ),
श्रीमती मनोहर-सूरज जी घोड़ेला ( बहन-बहनोई )
श्रीमती खुशबू-हेमेन्द्र जी हल्दिया ( पुत्री-दामाद )
रुचिका, महक ( चंचल ), आंचल ( पुत्री ),
प्रत्युष, मीहिर ( दोहिता ) एवं समस्त खड़गटा परिवार

1299 साउथ, विनय पथ, बरकत नगर, जयपुर मो. 98291 40629, 63785 93224

# खेड़ापति बालाजी में 21 जोड़ों का विवाह

श्री कुमावत क्षत्रिय समाज शैक्षिक विकास समिति व कुमावत क्षत्रिय समाज का दसवां सामूहिक विवाह खेड़ापति बालाजी धाम, माधोराजपुरा में 16 मई, 2024 को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ वैवाहिक रस्मों को पूरा किया गया। समारोह की अध्यक्षता सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामेश्वर बम्बोरिया ने की तथा मुख्य अतिथि चाकूस विधायक रामावतार बैरवा थे। इन्होंने गरीब तबके को सम्मान से जीने, समाज में दहेज प्रथा जैसी कुरीतियों से मुक्ति तथा फिजूलखर्ची पर रोक के लिए सामूहिक विवाह में अपने बच्चों का विवाह करने का आह्वान किया। इस अवसर पर खेड़ापति बालाजी के महन्त श्री बाबूलाल व देवकीनन्दन पारीक सहित माधोराजपुरा के उपखण्ड अधिकारी राजेश कुमार मीणा, एसएचओ देवेन्द्र चावला ने भी शिरकत की। समारोह में विमल कुमावत, चेतन धुंधारिया, भारती तोंदवाल, सोनिया डाल, देवी सहाय बड़ीवाल, परसराम कुमावत, जितेन्द्र अनावड़िया, कुम्भाराम मारवाल, मदनलाल बारवाल, श्री सौभागमल नीमिवाल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। समिति के अध्यक्ष डॉ. जयनारायण जूनवाल तथा कार्यकारिणी ने अतिथियों व भामाशाहों को साफा बंधवाकर व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से श्री रमेश तोंदवाल व श्री खेमचंद जी खड़गटा भी समारोह में पहुंचे।

## धर्मशाला के लिए भूमि दान

सर्वकुमावत क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामेश्वर बम्बोरिया ने इस अवसर पर समाज की धर्मशाला निर्माण के लिए 2150 वर्गगज भूमि का पट्टा वैवाहिक समिति को सौंपा। इस कदम की उपस्थित सभी गणमान्य लोगों तथा समिति कार्यकारिणी ने तहेदिल से स्वागत किया। क्षेत्रीय विधायक ने भी भवन निर्माण के लिए हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया।

10वें सामूहिक विवाह खेड़ापति बालाजी धाम, माधोराजपुरा, जयपुर में 16 मई 2024 को नि:शुल्क चिकित्सा सेवा देने पर कैलाशी डा.भंवर लाल वर्मा को सम्मानित किया गया।

# बूंदी सामूहिक विवाह में 36 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

बूंदी जिले के बड़ानयागांव कस्बे में 16 मई 2024 (सीता नवमी) को श्री क्षत्रिय कुमावत विकास समिति की ओर से आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन कराया गया, जिसमें 36 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। सम्मेलन के मुख्य अतिथि माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष श्री प्रहलाद राय टाक रहे।

सम्मेलन में बूंदी सहित सवाईमाधोपुर, टोंक, झालावाड़, बांरा तथा जयपुर से भी पदाधिकारी पहुंचे। जयपुर से सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा के अध्यक्ष श्री रामेश्वर बंबोरिया, पूर्व उपमहापौर श्री विमल कुमावत, महिला प्रदेशाध्यक्ष श्रीमती भारती तोंदवाल, सोनिया डाल, सरोज बडीवाल आदि पधारे। अतिथियों का स्वागत राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवा शक्ति के अध्यक्ष श्री घनश्याम सांवलिया तथा महिला युवा शक्ति की अध्यक्ष श्रीमती रवीना तोंदवाल ने किया ।

मंच पर सम्मेलन के भामाशाहों का अतिथियों द्वारा स्मृति चिन्ह देकर अभिनंदन किया गया। सम्मेलन समिति के अध्यक्ष छोटूलाल मसेला, समाज अध्यक्ष घासीलाल बंबोरिया, उपाध्यक्ष नवल किशोर, कोषाध्यक्ष मुकेश नगरिया, कैलाश धुंधाड़ा आदि गणमान्य लोग सम्मिलित हुए।

मारूडी- ऊर्जा 2

## सूरत में जादूगर आंचल की परफॉर्मेंस

27 अप्रैल को अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच की ओर से अग्रसेन भवन, सूरत में आयोजित मारूड़ी-ऊर्जा 2 कार्यक्रम में जादूगर आंचल ने Guest Performer के रूप में शानदार प्रस्तुति देकर देशभर से पधारी महिलाओं को दांतों तले अंगुली दबाने को मजबूर किया। आंचल की हर प्रस्तुति को मंच के उपस्थित सदस्यों ने खूब सराहा।

राष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता

## सोनू कुमावत का देश में प्रथम स्थान

राष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता का आयोजन 14 सितम्बर को हुआ जिसमें स्वामी दयानन्द सरस्वती पर निबन्ध लिखवाया गया था। इसका विद्यालय स्तर पर, संकुल, जिला, प्रांत, क्षेत्र तथा अखिल भारतीय स्तर पर विद्यार्थियों का चयन किया गया। इसमें तूमड़ा गांव, छीपाबड़ोद के छात्र सोनू कुमावत ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। आदर्श विद्या मंदिर, केलखेड़ी, छीपाबड़ोद के विद्यालय समिति अध्यक्ष, प्रधानाचार्य तथा हिन्दी अध्यापक ने सोनू कुमावत का सम्मान करने की घोषणा की।

**'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से सोनू कुमावत को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना।

**गौरव कुमावत** पुत्र श्री राजेन्द्र कुमावत निवासी म.नं. ९ए, कृष्णानगर, ऑफिसर एनक्लेव, 100 फीट रोड, झोटवाड़ा द्वारा JEE मैन्स में 99.73 प्रतिशत अंक लाकर कुमावत समाज का नाम रोशन किया है। **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से गौरव कुमावत को हार्दिक बधाई।

**शिवांग कुमावत** पुत्र श्री जितेन्द्र कुमावत, नन्दपुरी कॉलोनी, मालवीय नगर, जयपुर ने JEE मैन्स में 97.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर कुमावत समाज का नाम रोशन किया है।

**'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से शिवांग कुमावत को हार्दिक बधाई।

## नीतू गैदर सेल्यूट तिरंगा जिला अध्यक्ष नियुक्त

श्रीमती नीतू गैदर पत्नी श्री पवन गैदर निवासी टोंक फाटक, जयपुर को राष्ट्रवादी संगठन के द्वारा **सेल्यूट तिरंगा** की **जयपुर अध्यक्षा** नियुक्त किया गया। ये भारतीय जनता पार्टी में लम्बे समय से सेवाएं दे रही हैं। **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से भी नीतू गैदर को हार्दिक बधाई।

नावां सिटी (जिला कुचामन-डीडवाना) निवासी रमेश कुशमीवाल को MBBS पूर्ण करके डॉक्टर बनने की हार्दिक बधाई।

## ध्वनि कुमावत देवली ने 98.2% अंक प्राप्त कर केन्द्रीय विद्यालय जयपुर संभाग में प्रथम

ध्वनि कुमावत पुत्री स्व. डॉ जगदीश कुमावत (शिशु रोग विशेषज्ञ) निवासी देवली जिला टोंक ने सीबीएससी के जयपुर सम्भाग की 12वीं बोर्ड परीक्षा मानविकी वर्ग में 98.2% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

अपनी सफलता का श्रेय उसने अपने माता-पिता और गुरुजनों को दिया।

आगे चलके वह न्यायिक सेवा परिणाम आने पर मां श्रीमती लक्ष्मी व बहिन डा. विधि कुमावत सहित गणमान्य लोगों ने बधाई दी। ध्वनि कुमावत आगे चल कर न्यायिक सेवा में जाना चाहती है।

**'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से ध्वनि कुमावत को हार्दिक बधाई व उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनायें।

# गोपाल कुमावत टेलर ने ग्राहक की सोने की चेन लौटाई

सुभाष बाजार स्थित टॉप इन टाउन, टोंक के टेलर गोपाल कुमावत की दुकान पर बिबोलाव, गणेती गांव निवासी संदीप चौधरी कपड़े सिलवाने आए थे। कपड़ों की नाप देते समय उनकी 80 हजार रुपए की एक चेन गिर गई जिसका किसी को पता नहीं चला। दूसरे दिन सुबह सफाई करते समय गोपाल कुमावत को यह चेन मिल गई,

उन्होंने ग्राहक संदीप चौधरी को फोन कर इस बारे में बताया और उसे यह चेन लौटा दी।

टेलर गोपाल कुमावत की ईमानदारी की चर्चा पूरे गांव/ कस्बे में हो रही है। हमारे समाज के व्यक्ति ईमानदारी से कमाया धन ही इस्तेमाल करके खुश रहते हैं, ऐसा ही उदाहरण गोपाल कुमावत ने भी दिया है।

## सिविल डिफेंस के जवान पर रेस्क्यू के दौरान मधुमक्खियों ने हमला किया

पड़ासली गांव, केलवा थाना क्षेत्र, राजसमंद से मिली जानकारी पर सिविल डिफेंस की रेस्क्यू टीम पहुंच कर व्यक्ति के कुए में गिरने की आशंका पर अभियान शुरू किया। रेस्क्यू के दौरान मधुमक्खियों ने हमला बोल दिया और लगभग 25 ग्रामीणों सहित रेस्क्यू टीम के एक जवान मुकेश कुमावत को चपेट में ले लिया। उन्हें 50-60 डंक लगे। उनको पास में ही बने कुण्ड में डालकर मधुमक्खियों से बचाया गया।

मुकेश कुमावत ने अपनी जान की परवाह न करते हुए कुए में गिरे युवक कैलाश को बचाने में मधुमक्खियों की परवाह नहीं की तथा अपनी ड्यूटी को अंजाम दिया। ऐसे ही कर्तव्यपरायणता से कुमावत समाज का नाम आदर से लिया जाता है।

## दुलीचंद बने जांच अधिकारी ग्रेट प्रथम

संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में श्रम ब्यूरो एवं भारत सरकार मंत्रालय जांच अधिकारी ग्रेड प्रथम में दुलीचंद माचीवाल का ऑल इण्डिया रैंक में पांचवां स्थान अर्जित करने पर चयन हुआ। दुलीचंद काजीपुरा के किसान परिवार से हैं। इनके पिता नानूराम कृषि कार्य करते हैं तथा माता शांति देवी ग्रहणी हैं। दुलीचंद ने कड़ी मेहनत करके यह सफलता अर्जित की है। इसका श्रेय इन्होंने माता-पिता को देते हुए दादा भोलूराम का सपना साकार किया है। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से दुलीचंद को हार्दिक बधाई।

## रूपनगढ़ में समाज की नई कार्यकारिणी गठित

8 मई 2024 रूपनगढ़। श्री सांवला जी महाराज के मंदिर में कुमावत समाज की मीटिंग का आयोजन किया हुआ। जिसमें सर्व सम्मति से श्योलाल दुबलदिया को अध्यक्ष, खेमचंद धुन्धारियां को उपाध्यक्ष, नारायण राहोरिया को सचिव, मांगीलाल कुदाल को कोषाध्यक्ष तथा सूरज किरोड़ीवाल को महामंत्री नियुक्त किया गया।

कुमावत समाज छात्रावास के पूर्व अध्यक्ष प्रेमचंद बासनीवाल का देवलोकगमन हो जाने पर छात्रावास विकास समिति के अध्यक्ष पद पर बिरदीचंद कुशुमीवाल को सर्वसम्मति से नियुक्त किया गया। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बधाई।

कुमावत समाज चित्तौड़गढ़

## प्रतिभा व भामाशाह सम्मान समारोह

सितम्बर माह में शिक्षक दिवस के अवसर पर श्री कुमावत विकास एवं सेवा संस्थान चित्तौड़गढ़ द्वारा कुमावत समाज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों तथा भामाशाहों का सम्मान समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। इसमें 10वीं, 12वीं, स्नातक तथा डिप्लोमा स्तर में विशेष योग्यता हासिल करने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। छात्रावास निर्माण में योगदान देने वाले भामाशाहों का इस अवसर पर सम्मान होगा। श्री बालचन्द गेन्दर संस्थान अध्यक्ष तथा उनकी कार्यकारिणी एवं गणमान्य लोगों की उपस्थिति में यह निर्णय लिया गया।

क्षत्रिय कुमावत समाज विकास समिति, जोबनेर की बैठक

## डोर-टू-डोर कार्यक्रम के लिए देंगे आमंत्रण

क्षत्रिय कुमावत समाज विकास समिति कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक समिति अध्यक्ष जगदीश प्रसाद कुमावत की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में समिति द्वारा समाज विकास को लेकर किया जा रहे कार्यों पर चर्चा की। बैठक में उपस्थित समाज के लोगों ने सर्वसम्मति से जोबनेर विकास समिति के एक वर्ष पूर्ण होने पर प्रथम स्थापना दिवस 9 जून को मनाने का निर्णय लिया। समिति अध्यक्ष जगदीश प्रसाद कुमावत ने बताया कि इस अवसर पर समिति की ओर से पिछले एक साल में हुए सामाजिक, शैक्षणिक, धार्मिक कार्यक्रमों सहित अन्य गतिविधियों के बारे में विचार विमर्श किया जाएगा। एक वर्ष के कार्यों के आधार पर प्रदर्शनी का आयोजन होगा। समिति के कार्यकर्ता सभी समाज बंधुओं से डोर-टू-डोर मिलकर कार्यक्रम के लिए आमंत्रण पत्र देंगे।

# नवीन मन्दिर में विराजे भगवान जानकी, लक्ष्मण, हनुमान संग रघुनाथ जी

मध्यप्रदेश में कुमावत समाज की राजधानी के रूप में पहचाने जाने वाले साँवेर में रामनवमी के शुभ अवसर कुमावत समाज के द्वारा नवनिर्मित श्री राम मंदिर में रामनवमी के दिन दोपहर 11.39 बजे अभिजीत मुहूर्त में जय श्रीराम के जयकारों के साथ पुर्ण विधिविधान से वैदिक मंत्रों के साथ श्रीराम दरबार के नवीन विग्रह की स्थापना की गई। इसके साथ इसी मंदिर परिसर में शिव परिवार श्री गणेश, माता पार्वती ओर कार्तिकेय के साथ शिवलिंग की स्थापना की गई। 13अप्रैल को कुमावत समाज द्वारा विशाल कलशयात्रा निकाली गई, लगातार रामनवमी तक कार्यक्रम चला। जिसमें 13 अप्रैल लक्ष्मीनारायण यज्ञ के साथ साथ विशाल भण्डारे का आयोजन समाजजनों के द्वारा किया गया। जिसमें करीब करीब 3500 भक्तों का भोजन बनता व रात्रि में अलग-अलग भजन मंडली द्वारा भजन संध्या का आयोजन भी होता। रामनवमी को पूरे नगर व आसपास के भक्तों का भण्डारे का आयोजन किया गया जिसमें करीब 5 से 6 हजार भक्तों ने प्रसादी प्राप्त कर लाभ लिया। इस अवसर पर इंदौर के सांसद व भाजपा लोकसभा उम्मीदवार श्री शंकर लालवानी, क्षेत्रीय विधायक व मध्यप्रदेश शासन के केबिनेट मंत्री श्री तुलसीराम जी सिलावट भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्री दिलीप जी चौधरी ,भाजपा किसान मोर्चा मंडल उपाध्यक्ष श्री नेमीचंद कारवाल,नगर परिषद अध्यक्ष श्री संदीप जी चंगेडिया के साथ पधारे व समाजजनों व नगरवासियों को शुभकामनाएं दी। इस दिन मन्दिर पर कलश राजकुमार जी बोरा व पीतल की दंड पीतल की ध्वजा दीपक जी घोड़ेला चिकली वालों ने चढ़ाई जिसकी बोली लगाई गई थी। कलश की अंतिम बोली राजकुमार जी बोरा के द्वारा 551000 रुपये व ध्वजा की अंतिम बोली 351000 रुपए थी।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में साँवेर के कुमावत समाजजनों के अलावा दूसरे स्थानों से आये कुमावत समाजजनों का भी विशेष योगदान रहा।

# माँ वैष्णो देवी की पदयात्रा 15 जुलाई को

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सर्वधर्म सद्भावना के उद्देश्य व देश में अमन-चैन की भावना के लिए माँ वैष्णो देवी एवं शिवखोड़ी के लिए 34वीं विशाल पदयात्रा 15.7.2024 को प्रात: 9 बजे शिव मंदिर, आदर्श बस्ती, टोंक फाटक, जयपुर से रवाना होगी। यात्रा के पोस्टर विमोचन श्री जोराराम कुमावत, पशुपालन एवं डेयरी, गोपालन, देवस्थान विभाग मंत्री ने किया। इस समय समिति के मुख्य संरक्षक पी.सी. कुमावत, अध्यक्ष माधव दास बालोदिया, महामंत्री राजेन्द्र जुनवाल, कोषाध्यक्ष भवानी सिंह चौहान एवं गोपाल मीणा, मदन सिंह तंवर, राजकुमार यादव (बली) एवं सुनील अनावड़िया उपस्थित थे। समिति के संस्थापक नवरतन राजोरिया ने बताया कि इस बार 251 कलश यात्रा एवं शोभा यात्रा के साथ प्रारम्भ होकर रामबाग सर्किल मोती डूंगरी गणेश मंदिर, पहुंचेगी। इसके बाद यात्रा दादूदयाल सर्किल, तीनमूर्ति सर्किल, रामनिवास बाग, चौड़ा रास्ता, ताड़केश्वर मंदिर, बड़ी चौपड़, सुभाष चौक, आमेर, कुकस चुंगी नाके माताजी के मंदिर में रात्रि विश्राम होगा। यह यात्रा मनोहरपुर, कोटपूतली, शाहजहांपुर, रेवाड़ी, झज्झर, रोहतक, जिन्द, नरवाना, खनौरी, पातड़ा, सगरूर, मलेर कोटला, सलुधियाना, फगवाड़ा, जालन्धर, पठानकोट, लानपुर, साम्बा, कटवा, जम्मू दोमेल कटरा माँ वैष्णो देवी के रसताईस दिन में एवं शिवखोड़ी तीस दिन में पहुंचेगी।

अब तक माँ वैष्णो धाम कटरा एवं शिवखोड़ी पैदल जाने हेतु टोंक, सवाईमोधापुर, दौसा, लालसोट, चौमूं, कोटपूतली, शाहपुरा आदि स्थानों से लगभग 300 यात्रियों के जाने की सम्भावना है। अत: जो भी भक्तजन यात्रा में जाना चाहे वे मुख्य कार्यालय 35, आदर्श बस्ती, टोंक फाटक, जयपुर पर नवरतन राजोरिया संस्थापक या फोन नं. 9413561841 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

# श्री कुमावत क्षत्रिय सामूहिक विवाह समिति (रजि.), जयपुर का चुनाव कार्यक्रम घोषित

श्री कुमावत क्षत्रिय सामूहिक विवाह समिति (रजि.), जयपुर के त्रिवार्षिकी चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की गई है। जिसके अनुसार नामांकन-पत्र प्राप्त करने व भरकर प्रस्तुत करने की तिथि 9 जून 2024, प्राप्त नामांकन पत्रों की सूची का प्रकाशन 10 जून 2024, प्राप्त नामांकन पत्रों की जांच, निरस्त तथा वैद्य नामांकन पत्रों की सूची का प्रकाशन 11 जून 2024, नाम वापसी 12 जून 2024, नाम वापसी के पश्चात् उम्मीदवारों की सूची का प्रकाशन 13 जून 2024, चुनाव नहीं होने के स्थिति में पदाधिकारियों के निर्विरोध निर्वाचन की घोषणा 13 जून 2024, मतदान (यदि आवश्यक हुआ तो) 16 जून 2024 तथा मतगणना तथा निर्वाचित पदाधिकारियों की घोषणा 16 जून 2024 को होगी।

# दूषित खाद्य सामग्री-स्वास्थ्य की हानि

7 जून, 2024 को विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मनाया जा रहा है। दूषित भोजन खाने से 200 से अधिक बीमारियां (बैक्टीरिया, वायरस, परजीवी रसायन या हैवी मेटल्स से) हो जाती है। असुरक्षित भोजन से प्रतिवर्ष 4,20,000 लोग बीमार पड़ जाते हैं इनमें से 40 प्रतिशत 5 वर्ष से कम के बच्चे होते हैं तथा इनमें से कई लोग मर जाते हैं। दस में से एक व्यक्ति दूषित खाना खाने से बीमार पड़ जाता है, यह भयावह स्थिति है। थोड़े से लाभ या लापरवाही जनस्वास्थ्य पर भारी पड़ सकती है।

वैश्विक स्तर पर इस समस्या से निजात पाने के लिए FAO तथा WHO ने संयुक्त प्रयास किए हैं तथा इन्होंने मिलकर अन्तर्राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा प्राधिकरण (INFOSAN) की स्थापना की है, इसमें 189 देश सदस्य हैं। इन्फोसेन सदस्य देशों को खाद्य जनित बीमारियों की रोकथाम तथा जीवन बचाने के लिए तेजी से सूचनाओं का आदान-प्रदान करता है तथा सदस्य देशों को सक्षम बनाने में मदद करता है।

सरकारों से अपेक्षा है कि पौष्टिक व सुरक्षित भोजन लोगों को उपलब्ध हो इसके लिए नियंत्रण व निगरानी तंत्र को विकसित करें तथा खाद्य निर्माताओं, व्यवसायियों प्रयोगशालाओं तथा उपभोक्ताओं में समन्वय स्थापित कर सूचनाओं का त्वरित संचार करें। सभी हितधारकों को खाद्य सुरक्षा प्रबन्ध योजनाओं की जानकारी दें। खाद्य सामग्री के लिए सुरक्षित लोजस्टिक सिस्टम को विकसित किया जाये। दूषित खाद्य सामग्री की जिम्मेदारी तय करने के लिए उचित व्यवस्था हो तथा दोषियों को शीघ्र सजा देने का प्रावधान हो।

संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2018 में WFSD की स्थापना की गई। वर्ष 2024 में विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस की थीम है-''**खाद्य सुरक्षा : अप्रत्याशित के लिए तैयारी करें।**'' इसका उद्देश्य है उन अप्रत्याशित संकटों पर ध्यान देना जो खाद्य सुरक्षा को खतरे में डाल सकते हैं जैसे बिजली कटौती, प्राकृतिक आपदाएं, आयातित उत्पादों के कारण खाद्य जनित बीमारी का प्रकोप, इत्यादि। वैश्विक खाद्य आपूर्ति में खाद्य सुरक्षा के लिए अप्रत्याशित खतरों से निपटने के लिए तैयारी के बारे में WHO तथा FAO सभी हितधारकों से पूछ रहे हैं। इन्फोसेन द्वारा खाद्य सरक्षा प्रबन्धन प्रणाली में सुधार '**सीखे गये सबक**' साझा किये जा रहे हैं।

यद्यपि अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षित खाद्य सामग्री आपूर्ति पर ध्यान दिया जा रहा है पर अकेले ये संगठन तथा सरकारें सब कुछ नहीं कर सकती। सभी को दूषित खाद्य से कैसे निजात मिले इसके लिए सम्बन्धित सभी एजेंसियों सहित हम उपभोक्ताओं को भी सचेत रहकर ध्यान देना होगा। दूषित खाद्य सामग्री की पोर्टल पर या व्यक्तिश: शिकायत दर्ज करानी चाहिये। इसके अलावा हम घरों में कैसे खाद्य सामग्री को सुरक्षित रखें इसकी जागरूकता हो तो हम बीमारियों से बच पाने में सक्षम हो पायेंगे।

हाल ही में प्रसिद्ध खान-पान की दुकानों पर फूड डिर्पामेंट का सर्वे हुआ तथा खराब तेल तथा कच्ची सामग्री से खाद्य पदार्थों का निर्माण व विक्रय करना पाया गया। स्ट्रीट वेन्डर्स हमें कहीं दूषित खाद्य सामग्री तो विक्रय नहीं कर रहे इसकी जांच व निगरानी समय-समय पर सरकारी एजेंसियां करती रहे तथा हम स्वयं भी इन्हें खरीदते व उपभोग करते समय सुनिश्चित करें कि खाद्य सामग्री गुणवत्तापूर्ण हो।

**- रमेश कुमावत**

आपका स्वास्थ्य

# सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है , मिट्टी के मटके का पानी पीना

आयुर्वेद के मुताबिक पीने के लिए मिट्टी के मटके में रखा पानी सबसे अच्छा होता है। इसके कई सेहत संबंधी फायदे हैं। मसलन यह पेट में गैस, कब्ज और एसिडिटी जैसी समस्याओं को नियंत्रित करता है। साथ ही मिट्टी के घड़े में कई घंटों तक रखे गए पानी में विटामिन बी और सी भरपूर मात्रा में होती है जो कि शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए जरूरी हैं। मटके का नियमित तौर पर पानी पीने से शरीर में आयरन की कमी भी पूरी हो जाती है।

मटके का पानी जब हम पीते हैं तो हमें लू लगने की आशंका कम होती है, क्योंकि मटके के पानी में कई तरह के मिनरल्स और पर्याप्त पोषक तत्व होते हैं, जिस कारण ये सनस्ट्रोक को रोकता है और शरीर में पर्याप्त मात्रा में ग्लूकोज को बनाये रखता है।

मटके का पानी शरीर को ज्यादा समय तक हाइड्रेट रखता है, जिससे हमारी पाचन प्रक्रिया दुरुस्त रहती है। क्योंकि निरंतर मटके का पानी पीने से हमारे मेटाबॉलिज्म में सुधार होता है, इसकी वजह यह भी है कि मिट्टी के घड़े में रखा हुआ पानी हमारे शरीर के पीएच लेवल को संतुलित रखता है। मटके के पानी की एक और खासियत यह होती है कि यह शरीर को अच्छी तरह से डिटॉक्स करता है। इसके अंदर मौजूद पोषक तत्वों के चलते हमारे शरीर से बहुत आसानी से विषैले तत्व बाहर निकल जाते हैं। चूंकि मिट्टी में एंटी इंफ्लेमेट्री तत्व पाये जाते हैं, इसलिए शरीर में होने वाले दर्द व सूजन को रोकने में इससे मदद मिलती है। कुछ शोधों से पता चला है कि मिट्टी का पानी पीने से शरीर में टेस्टोस्टेरोन हार्मोन का स्तर बढ़ जाता है। चूंकि मटके का पानी बहुत ज्यादा ठंडा या बहुत ज्यादा गर्म नहीं होता, इसलिए यह पाचन के लिए आदर्श होता है। चूंकि मिट्टी के घड़े का प्रकृति क्षारीय होती है, इसलिए यह पानी के अम्लीय तत्वों को सामान्य करने का काम करता है।

अत: फ्रीज के पानी से बचे तथा मिट्टी के मटके का पानी पीजिये।

## पवन कुमार बासनीवाल के 2 लाख सब्सक्राइबर्स

श्री पवन कुमार बासनीवाल द्वारा 535 वीडियोज को यूट्यूब तथा फेसबुक पर अपलोड किए हैं जिनमें विभिन्न बीमारियों एवं डेफिसेंसी तथा उनके निदान के बारे में प्रभावी रूप से बताया गया है। इनसे हजारों लोग लाभान्वित हुए हैं तथा श्री पवन बासनीवाल के इन प्लेटफार्म्स पर 2,00,027 सब्सक्राइबर्स हो गए हैं जो एक रिकॉर्ड है।

**'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से श्री पवन बासनीवाल को हार्दिक बधाई।

श्री पवन बासनीवाल द्वारा 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को जनहित में प्रकाशनार्थ एक लेख दिया है जो निम्न प्रकार प्रस्तुत है—

# हीट स्ट्रोक ( Heat Stroke ) क्या है? समझे और बचें!

हीट स्ट्रोक, एक संभावित घातक चिकित्सा आपातकाल (medical emergency), तब होता है जब शरीर का तापमान 104°F (40°C) या इससे अधिक हो जाता है। यह स्थिति तत्काल ध्यान देने और उचित प्राथमिक चिकित्सा उपायों की मांग करती है।

**हीट स्ट्रोक को पहचानना**

हीट स्ट्रोक कई प्रकार के लक्षणों से प्रकट होता है, जिनमें शामिल हैं:

- उच्च शारीरिक तापमान 104°F (40°C) या इससे अधिक होना
- मानसिक स्थिति में भटकाव या परिवर्तित व्यवहार
- अस्पष्ट वाणी या बोलने में कठिनाई
- बेहोशी या बेहोशी
- गर्म, शुष्क त्वचा या अत्यधिक पसीना आना
- अनियंत्रित हरकतें
- मतली और उल्टी
- तेज़ दिल की धड़कन
- तेज़, उथली साँस लेना

**हीट स्ट्रोक पर प्रतिक्रिया**

यदि आपको संदेह है कि कोई व्यक्ति हीट स्ट्रोक का अनुभव कर रहा है, तो तुरंत कार्रवाई करें:

- आपातकालीन सहायता के लिए कॉल करें।
- व्यक्ति को छायादार या ठंडे वातावरण में ले जाएँ।
- अनावश्यक कपड़ों को हटाकर मरीज को राहत दें।
- मरीज के शरीर का तापमान कम करें
- नम चादरें लगाएं
- ठंडे पानी से स्प्रे करें
- हवा के पंखे का उपयोग करें
- ठंडे पानी में डुबोएं
- पूरे शरीर में वायु का प्रवाह बनाएं
- तरल पदार्थ के सेवन को प्रोत्साहित करें।
- थोड़ा नमकीन तरल पदार्थ जैसे स्पोर्ट्स ड्रिंक या नमकीन पानी दें।
- व्यक्ति को आरामदायक स्थिति में लिटाएं।

**हीट स्ट्रोक के कारण:**

कई कारक व्यक्तियों को हीट स्ट्रोक के लिए प्रेरित कर सकते हैं, जैसे:-

- पर्याप्त तरल पदार्थों का सेवन न करना।

- गर्म वातावरण में भारी या गहरे रंग के कपड़े पहनना।
- स्वास्थ्य स्थितियाँ: मोटापा, अधिक उम्र, पार्किंसंस रोग, अनियंत्रित मधुमेह, या कुछ त्वचा संबंधी स्थितियाँ।
- दवा का उपयोग: मूत्रवर्धक, एंटीहिस्टामाइन, या कोकीन जैसी मनो-सक्रिय दवाएं।

**हीट स्ट्रोक से बचाव :**

सक्रिय कदम उठाने से हीट स्ट्रोक का खतरा काफी कम हो सकता है:

- हाइड्रेटेड रहें - पानी और स्पोर्ट्स ड्रिंक सहित खूब सारे तरल पदार्थ पिएं।
- अत्यधिक गर्मी के संपर्क से बचें।
- गर्म और आर्द्र मौसम में तीव्र शारीरिक गतिविधियों को सीमित करें।
- चाय और कॉफी का सेवन कम करें।

हीट स्ट्रोक एक गंभीर स्थिति है जिसके लिए शीघ्र पहचान और हस्तक्षेप की आवश्यकता होती है। इसके लक्षणों को समझकर, उचित प्राथमिक चिकित्सा उपायों को को अपनाकर हम इस जीवन-घातक आपातकाल से खुद को और दूसरों को प्रभावी ढंग से सुरक्षित कर सकते हैं।

**-डॉ. पवन कुमार बासनीवाल**

सह-सम्पादक जयसिंह गुडीवाल की विशेष रिपोर्ट

# कुमावत समाज के होनहारों की सफलता की कहानियां, उनकी जुबानी

अभावों में कदम तो रुक सकते हैं, लेकिन हौसले नहीं टूटते। वह खुली आंखों से बड़े सपने देखते हैं, बल्कि उन्हें पाने के लिए जमकर मेहनत भी करते हैं। इन सपनों को जब निडर हौसलों के पंख लगते हैं, तो वह कुछ भी कर गुजरते हैं और अपनी कहानी खुद लिखते हैं। हाल ही घोषित हुए सीबीएसई व आईसीएसई ने 10वीं 12वीं परीक्षा परिणाम में ऐसे ही कई समाज के गुदड़ी के लालों ने अपनी सफलता की कहानी कुमावत इंडिया पत्रिका के सह सम्पादक जयसिंह गुडीवाल को बताई। कुमावत इंडिया पत्रिका का सदैव प्रयास रहा है कि समाज के ऐसे होनहारों को पत्रिका में स्थान देकर उनकी हौसला अफजाई करे, उनका सम्मान करें। ''ये हौसलों की उड़ान है; अभाव में नहीं रुके कदम, अपने दम पर पाई सफलता।'' सफलता की कहानी, होनहारों की जुबानी-

**1. मोबाइल और सोशल मीडिया से बनाई दूरी, नहीं ली कोचिंग- पुलकित कुमावत**

सीबीएसई की ओर से दसवीं कक्षा के घोषित नतीजों में जयपुर शहर, सांगानेर के छात्र पुलकित कुमावत ने 90.02 अंक हासिल कर अपने माता-पिता और अध्यापकों का नाम रोशन किया है। पुलकित कुमावत ऑक्सफोर्ड इंटर नेशनल पब्लिक स्कूल, सांगानेर का नियमित छात्र है। पुलकित के पिता रवि कुमार कुमावत जन स्वा. अभि. विभाग में अति.प्रशासनिक अधिकारी के पद पर एवं माता राजबाला कुमावत स्कूल में टीचर है।

मैं अपनी सफलता का श्रेय अपने स्कूल टीचर्स एवं अपने माता-पिता को देता हूँ। मुझे इतने अंकों की उम्मीद थी। जैसे ही मैंने अपना नतीजा देखा तो खुशी का ठिकाना नहीं रहा। मेरे घर में शुरू से ही पढाई का माहौल रहा है। मैंने एग्जाम टाइम और स्कूल के दिनों में मोबाइल और सोशल मीडिया से हमेशा दूरी बनाकर रखी। बहुत आवश्यक कार्य होने पर ही मैं मोबाइल का इस्तेमाल करता था। मैं रूटीन में होमवर्क के साथ नियमित रूप से 5 से 6 घंटे पढाई करता था। मेरा मानना है कि 5 से 6 घंटे नियमित अध्ययन किया जाये तो सफलता निश्चित रूप से आपके कदम चूमेंगी बशर्त है कि मन लगाकर पढाई की जाये यदि पढाई के समय इधर उधर ध्यान दोगे तो कितनी पढाई कर लो कोई फायदा नहीं मिलेगा। नियमित पढाई के साथ पूरी नींद भी अवश्य लेनी चाहिए। मेरा फेवरेट सब्जेक्ट सांइस है। जिसमें मैने 100 में से 95 अंक प्राप्त किये हैं। स्कूल में टीचर्स और घर पर मम्मी पापा का मुझे पूरा सहयोग मिला है। मैं सिविल सर्विसेज में अपना कैरियर बनाना चाहता हूँ।

**2. पढाई लेकर तनाव महसूस होने पर संगीत सुनने और गुनगुनाने से होता है तनाव दूर- दिया वर्मा**

आईसीएसई बोर्ड, दिल्ली की ओर से दसवीं कक्षा के घोषित नतीजों में जयपुर शहर के एम.आई. रोड़ की छात्रा दिया वर्मा ने 93.8 अंक हासिल कर अपने माता-पिता, अध्यापकों व समाज का नाम रोशन किया है। दिया वर्मा मयूरा स्कूल, नायला हाउस की नियमित छात्रा है। पढाई के साथ दूसरी एक्टिविटीज में हमेशा एक्टिव रहने वाली दिया को डांस के साथ फिल्में देखना बहुत पंसद है। दिया के पिता चिराग वर्मा डिजाइनर व माता रश्मि बालोदिया जयपुर की मशहूर सिंगर है। जो वाइस ऑफ लता मंगेशकर के नाम से जानी व पहचानी जाती है।

मैं अपनी सफलता का श्रेय अपने स्कूल टीचर्स एवं अपने माता-पिता को देती हूँ। जिन्होंने सदैव मुझे मार्गदर्शन दिया और मुझे लगातार प्रोत्साहित करते रहे। एक समय मुझे फिजिक्स विषय बिल्कुल बोर लगता था। फिजिक्स विषय में मैं कमजोर थी। लेकिन मैंने कभी फिजिक्स विषय को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया बल्कि फ्री टाईम में फिजिक्स विषय पर फोकस करते हुए इस ध्यान दिया और सफलता प्राप्त की। मैं रोजना 2 से 3 घंटे नियमित पढ़ाई करती थी। मुझे डांस और फिल्म देखने का बहुत शौक है परन्तु पढ़ाई के लिए मैंने टीवी देखना बंद कर दिया था। जब कभी पढ़ाई को लेकर मुझे तनाव महसूस होने लगता तो मैं संगीत सुनती और गुनगुनाती थी संगीत मुझे खुशी देता है इसलिए पढ़ाई से पहले और बाद में संगीत अवश्य सुनती थी। जिससे मेरा मूड फ्रेश हो जाता था और मैं अच्छे से पढ़ाई कर पाती थी। मुझे लोगों की मदद करने में खुशी होती है। मैं भविष्य में डाक्टर बनकर समाज व देश की सेवा करना चाहती हूं।

**3. सोशल मीडिया से बनाई दूरी, 4 से 5 घंटे की नियमित पढ़ाई- वर्षा कुमावत**

सीबीएसई की ओर से दसवीं कक्षा के घोषित नतीजों में जयपुर, सांभरलेक की छात्रा वर्षा कुमावत ने 95.6 प्रतिशत अंक हासिल कर अपने माता-पिता, अध्यापकों व समाज का नाम रोशन किया है। वर्षा कुमावत कपिल ज्ञानपीठ स्कूल, की नियमित छात्रा है। वर्षा के पिता दिलीप कुमावत ए.यू. बैंक में असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी के पद पर एवं माता निर्मला कुमावत गृहणी है।

मैं अपनी सफलता का श्रेय अपने स्कूल टीचर्स, अपने माता-पिता और बडे भाई निलेश को देती हूँ। जिनका मुझे सदैव सपोर्ट मिला इनके सपोर्ट से ही मुझे सफलता मिली है। मुझे इतने अच्छे नम्बरों की पूरी पूरी उम्मीद थी। जब मैंने अपना रिजल्ट देखा तो मेरी खुशी का ठिकाना ना था मानो मेरे सपनों के पंख लग गये थे। मैंने कभी एग्जाम की टेंशन नहीं ली। बस नियमित रूप से दिन में 4 से 5 घंटे नियमित पढ़ाई करती थी। एग्जाम के अंतिम दिनों में सिर्फ प्रैक्टिस पेपर सॉल्व किये। जब भी पढाई करती थी तो मोबाइल से हमेशा दूर रहती थी और सोशल मीडिया से लगातार दूरी बनाकर रखी। मेरा मानना है कि समय सबसे खतरनाक चीजों में से एक है इसका हमें सदैव ध्यान रखना चाहिए। दिनचर्या का चार्ट बनाकर दिन में कम से कम 4 से 5 घंटे पढाई को देना चाहिए, सफलता निश्चित रूप से मिलेगी। मैं डाक्टर बनकर समाज व देश की सेवा करना चाहती हूं।

**4. 5 से 6 घंटे की नियमित पढ़ाईव परीक्षा में टू द प्वाइंट उत्तर- प्रियांशी कुमावत**

सीबीएसई की ओर से दसवीं कक्षा के घोषित नतीजों में फुलेरा निवासी छात्रा प्रियांशी कुमावत ने

89.2 प्रतिशत अंक हासिल कर माता-पिता, अध्यापकों व समाज का नाम रोशन किया है। प्रियांशी कुमावत जमना विद्यापीठ, लोहामंडी, जयपुर की नियमित छात्रा है। प्रियांशी के पिता सुनील कुमावत की स्वायं की हार्डवेयर एवं पेंट की दुकान है एवं माता रजनी कुमावत मनीपाल हॉस्पीटल में कार्यरत है।

मैं अपनी सफलता का श्रेय अपने स्कूल टीचर्स, अपने माता-पिता को देती हूँ। जिनका मुझे हमेशा सहयोग मिला इनके सहयोग से ही मुझे आज यह सफलता मिली है। परीक्षा परिणाम घोषित होते ही मेरी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। मेरा मानना है कि तैयारी के साथ बेहतर प्रस्तुति ही टॉपर बनाती है। परीक्षा में जो उत्तर दे, वह 'टू द प्वाइंट' होने चाहिए। परीक्षाओं से बिना घबराए उतना ही पढ़ना चाहिए, जितना जरूरी हो। स्कूल के अलावा प्रतिदिन 5-6 घंटे की पढ़ाई में मुझे यह सफलता मिली है। मैं सिविल सर्विसेज में अपना कैरियर बनाना चाहती हूँ।

**5. 6 से 7 घंटे बेहतर प्लांनिंग के साथ की नियमित पढ़ाई-टिया कुमावत**

सीबीएसई की ओर से दसवीं कक्षा के घोषित नतीजों में फुलेरा

निवासी छात्रा टिया कुमावत ने 81 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपने माता-पिता, अध्यापकों व समाज का नाम रोशन किया है। टिया कुमावत सेंट एंसलम स्कूल,फुलेरा की नियमित छात्रा है। टिया के पिता संजय कुमावत का निजी व्यनवसाय (हार्डवेयर एवं पेंट शॉप) एवं माता सपना कुमावत गृहणी है।

मैं अपनी सफलता का श्रेय अपने स्कूल टीचर्स व अपने परिवार को देती हूँ। विशेष रूप से मम्मी-पापा को, जिनके सहयोग और मार्गदर्शन से ही मुझे यह सफलता मिली है। मैंने 6 से 7 घंटे बेहतर प्लानिंग के साथ पढ़ाई की थी। मोबाइल का उपयोग परीक्षा के समय बिल्कुल नहीं किया। सोशल मीडिया से भी दूरी बनाकर सेल्फ स्टडी की। मेरी हर छोटी-बड़ी परेशानी में शिक्षकों और माता-पिता का हमेशा साथ मिला है। मेरा मानना है कि परिणाम की चिंता न कर पढाई पर ध्या न देना चाहिए। मेरा पंसदीदा विषय सांइस हैं। आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को इलाज के लिए भटकना पड़ता है इसलिए मैं डाक्टर बनकर गरीब, बेसहारा लोगों, समाज व देश की सेवा करना चाहती हूं।

**गर्मी की छुट्टियां**

# यादें

मई और जून के महीने वैसे तो अन्य महीनों की तरह ही सामान्य महीने हैं मगर बच्चों के लिए ये दो माह बहुत खास होते हैं। साल भर पढ़ाई और इम्तहानों में व्यस्त रहने के बाद आने वाली गर्मियों की छुट्टियां बहुत सुकून और आनन्द देने वाली होती है। मुझे आज भी याद आते हैं बचपन के वो दिन जब इंतजार रहता था गर्मियों की छुट्टियां आने का और नानी के घर जाने का। उन दिनों का अलग ही उल्लास हुआ करता था। छुट्टियों में मिलने वाला गृह कार्य जल्द से जल्द निपटाने की कोशिश होती थी और बाकी का बचा खुचा काम स्कूल खुलने से दो दिन पहले खींचा जाता था। मां को नानी के घर जाने की तैयारी करते देख बहुत खुशी होती थी। वहां क्या-क्या करना है, कौन-कौन से खेल-खिलौने ले जाने हैं, कहां-कहां घूमना है ? ये सब योजनाएं बाल मन में स्वत: ही बनती रहती थी। गर्मी की छुट्टियों में बच्चों के लिए घूमने या रहने जाने की खास जगहें या तो नानी का घर या बुआ का घर या फिर यदि दूर कहीं रहते हैं तो दादा-दादी का घर हुआ करती थी। हमने अपने बचपन में तीनों ही जगहों पर रहने का और मौज मस्ती करने का भरपूर आनन्द लिया है। हमारे बचपन में हिल स्टेशन घूमने जाने का प्रावधान नहीं हुआ करता था। यकीनन बहुत आनन्द आता था जब वहां सारे बच्चे एक साथ बैठकर खाना खाते थे और सारी चपातियां खत्म करके कहते थे कि अभी पेट नहीं भरा कुछ और दो खाने को। रोज नये व्यंजन, छाछ और लस्सी, टन-टन कुल्फी, आम और तरबुज, शिकंजी, आमरस खाने का जो मजा दादी-नानी के पास था वो अलग ही होता था। शैतानी करने पर कभी-कभी डांट भी पड़ती थी और फिर पुचकारा भी जाता था। इतने मेहमानों के इकट्ठे होने पर छत पर पानी का छिड़काव कर खुली हवा में ही बिस्तर लगाए जाते थे। सब बच्चें अपनी-अपनी जगह निश्चित करके बिस्तर के ठंडे होने का इंतजार करते थे। चांदनी रात, टिम-टिम करते तारे, ठंडी हवा की हिलोरे, पानी की सुराही और सारे घरवालों का छत पर देर रात तक गप्पे मारना और बच्चों का अंताक्षरी खेलना सब यादें दिल में आज भी ज्यों की त्यों बसी है। एक खास चीज जो सोने से पहले जरूर याद रहती थी ओर जिसके बिना नींद ही नहीं आती थी वो थी दादी और नानी की कहानियां। बिस्तर पर लेटे-लेटे आसमान में तारों को तकते जब कहानी सुना करते थे तो कहानी के सारे किरदार सच्चे नजर आते थे। मन कल्पनाओं में गोते लगाता था और सबसे खास बात ये कि रोज एक ही कहानी सुनाती थी नानी मगर हर दिन नयी ही लगती थी। जिद करके नानाजी और दादाजी से पैसे लेना और फिर चीजें खरीदकर खाने का और किराए की कॉमिक्स लाकर पढ़ने का मजा ही कुछ और था। माँ आँखें दिखाती और हम इतराते कि घर पर ही चलती है माँ की दादागिरी यहां नहीं डांट पायेगी, यह विजय भाव बड़े ही साहस का अनुभव कराता था। ऐसे ही खट्टे मीठे अनुभवों के साथ दिन कब बीत जाते थे पता ही नहीं चलता था और वापसी के दिन नजदीक आते-आते माँ के साथ हम भी रुआंसे हो जाते।

आज समय बदल गया है। लोगों के आउटिंग के लिए बर्फीले ठंडे स्थानों पर जाना या विदेश यात्रा जाने का उत्साह ही छुट्टियों का मुख्य आकर्षण होने लगा है। हम खुशियों को खरीदने में अधिक विश्वास रखने लगे हैं मगर सच यह है कि खुशियां रिश्तों से मिलती है, रुपयों से नहीं। वो दिन, वो समय कुछ और ही थे। आज ना वो वक्त है ना वो माहौल, मगर वो सारी बातें वो यादें आज भी दिल को बहुत सुकून देती है।

**-उर्वशी बालोदिया**

# ईश्वर से भी ऊपर है - एक पिता

फादर्स डे एक पिता द्वारा अपने बच्चों के लिए किए गए प्यार और बलिदान का सम्मान करने के लिए मनाया जाता है। एक पिता इस दुनिया में किसी भी चीज़ से ज्यादा अपने बच्चे से प्यार करता है।

फादर्स डे हर साल जून के तीसरे रविवार को पूरी दुनिया में बहुत धूमधाम से मनाया जाता है। यह दिन हमारे जीवन में पिता की भूमिका और हमारे पालन-पोषण के लिए उनके द्वारा किए गए बलिदान और मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त करने को समर्पित है। यह पिता-बच्चे के बंधन और पितृत्व का जश्न मनाता है।

हमारे पिता हमारे जीवन के नायक हैं। वे ही हैं जो कुछ भी हासिल कर सकते हैं, जो हमें कठिन समय में मजबूत रहना सिखाते हैं और वे ही हैं जो सभी समस्याओं को हल करने में हमारी मदद करते हैं।

यह हमारे जीवन में पिताओं द्वारा निभाई जाने वाली महत्वपूर्ण भूमिका का जश्न मनाने और अपने परिवारों के लिए उनके द्वारा किए गए बलिदान को पहचानने का दिन है। जीवन के मूल्यवान सबक सिखाने से लेकर भावनात्मक समर्थन प्रदान करने तक, पिता अक्सर हमारे जीवन में गुमनाम नायक होते हैं। फादर्स डे पर, यह हमारे पिताओं को यह दिखाने का समय है कि वे हमारे लिए कितना मायने रखते हैं और उन्हें विशेष और प्यार का एहसास कराते हैं। चाहे यह हार्दिक संदेशों, विचारशील उपहारों, या एक साथ गुणवत्ता समय बिताने के माध्यम से हो, फादर्स डे स्थायी यादें बनाने और हमारे पिताओं को यह बताने का मौका है कि हम उनकी कितनी सराहना करते हैं।

**फादर्स डे क्यों मनाते हैं?**

पिताओं को समर्पित एक दिन की प्रेरणा 1900 के दशक की शुरुआत में मिलती है। सोनोरा स्मार्ट डोड नाम की एक महिला की मां की प्रसव के दौरान मृत्यु हो जाने के बाद, उनका और उनके भाई-बहनों का पालन-पोषण उनके पिता, विलियम स्मार्ट नामक गृह युद्ध के दिग्गज ने किया था।

उसके पिता ने उसके लिए जो कुछ किया, उसके लिए अपना आभार व्यक्त करने के लिए, डोड ने एक दिन की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य 'पिता के लिए माँ के हिस्से के समान प्यार और श्रद्धा पैदा करना' था, डोड ने 1910 के अखबार के लेख में उस दिन के बारे में लिखा था। उनके आग्रह पर, उसी वर्ष पहला फादर्स डे मनाया गया।

भगवान स्वरूप कटियार की कविता की एक पंक्ति है ''पिता के पास लोरियाँ नहीं होतीं''। असल में पिताओं के पास होती हैं थपकियाँ, जिससे बच्चा मीठी नींद में सोता है। ये थपकियाँ ही पिता का रूप हैं। थपकियाँ बच्चा देख नहीं पाता लेकिन माँ की लोरी के साथ इन्हें महसूस करता है। पिता होने का अर्थ है महसूस करना। पिता होने का अर्थ है जो दिखाई न दे फिर भी शामिल रहे। मैंने पिता को हमेशा बैकस्टेज पर काम करने वाले क्रू के रूप में पाया है। वे कभी सामने नहीं आते लेकिन आपके जीवन को सुंदर बनाने के लिए जी तोड़ मेहनत करते हैं।

माता-पिता को जीवन के सबसे मजबूत रिश्ते के रूप में माना जाता है। धर्म ग्रंथों में ईश्वर से भी ऊपर इन्हें रखा गया है। हमने कटी पतंग देखी है। पतंग कट जाने पर रास्ताविहीन हो जाती है, लेकिन जब तक डोर से बँधी रहती है आसमान पर राज करती है। पिता जीवन में वही डोर हैं। पतंग की वह डोर अनुशासन का प्रतीक है जो कि पिता ही हमें सिखाते हैं। जीवन में अनुशासन किसी को अच्छा नहीं लगता, लेकिन सच्चाई यह भी है कि बिना अनुशासन के जीवन कुछ नहीं।

पिता पर चर्चा हमारे पुराने साहित्य में है। पिता होने का अर्थ, दायित्व सबका जिक्र है। शास्त्रों और वेदों में पिता को प्रभु के तुल्य माना गया है।

ऋषि यास्काचार्य प्रणीत ग्रन्थ 'निरुक्त' के सूत्र 4/21 में कहा गया है- '**पिता पाता वा पालयिता वा**'।

निरुक्त 6/15 में कहा है- '**पिता-गोपिता**' अर्थात् पालक, पोषक और रक्षक को पिता कहते हैं।

पिता के बारे में किसी ने ठीक ही कहा है—

**दुनिया में बहुत संघर्ष है, ये मैंने बड़े होकर जाना**
**जब बच्चा था, पापा ने हर मुश्किल में मेरा हाथ थामा।**

सिर्फ आधुनिक जीवन में ही पिता बच्चे की रीढ़ बनने का कार्य नहीं करते बल्कि पौराणिक समय से पिताओं ने इस भूमिका को निभाया है। श्री राम के पिता दशरथ, भले ही वचनबद्ध होकर राम को वनवास के लिए कहना पड़ा लेकिन राम के अभाव में उन्होंने अपना जीवन त्याग दिया। श्री कृष्ण, देवकी और वासुदेव की आठवीं संतान थे। कंस के आतंक से बचाने के लिए वासुदेव अपनी जान की फिक्र न करते हुए कृष्ण को गोकुल में नंद के पास छोड़कर आए। राह में आई सभी कठिनाईयों को उन्होंने हँसते हुए पार किया। नंद जो कि कृष्ण के पालन पिता हैं, उन्होंने भी कृष्ण को भरपूर प्रेम दिया और उनके जीवन को सुंदर बनाया।

महाभारत के वनपर्व में यक्ष-युधिष्ठिर संवाद में भी माता-पिता के विषय में प्रश्नोत्तर हुए हैं। यक्ष युधिष्ठिर से प्रश्न करते हैं कि-

**'का स्विद् गुरुतरा भूमेः स्विदुच्चतरं च खात्।**
**किं स्विच्छीघ्रतरं वायोः किं स्विद् बहुतरं तृणात्।।**

अर्थात् पृथ्वी से भारी क्या है? आकाश से ऊँचा क्या है? वायु से भी तीव्र चलने वाला क्या है? और तृणों से भी असंख्य

(असीम-विस्तृत) एवं अनंत क्या है? इसके उत्तर में युधिष्ठिर ने यक्ष को बताया कि— 'माता गुरुतरा भूमेः पिता चोच्चतरं च खात। मनः शीघ्रतरं वाताच्चिन्ता बहुतरी तृणात्।।'

अर्थात् माता पृथ्वी से भारी है। पिता आकाश से भी ऊँचा है। मन वायु से भी अधिक तीव्रगामी है और चिंता तिनकों से भी अधिक विस्तृत एवं अनन्त है। यहाँ आसमान से भी ऊँची संज्ञा पिता को दी गई है।

मनुष्य बनने का भी एक सलीका है, एक तरीका है। पिता ही सिखाते हैं कि पहले व्यक्ति को मनुष्य बनना चाहिए, बाद में पिता या कोई अन्य रिश्ता। मेरे पिताजी ने मुझसे बस एक दफा कहा था कि बेटा जिंदगी में ख्वाहिशें उतनी ही रखना जितनी ईमानदारी से कमाई जा सकें।

अपनी इच्छाओं पर नियंत्रण करने का खेल मेरे पिता ने मुझे बचपन से ही सिखाना शुरू कर दिया था। उन से मैंने सबसे बड़ी सीख ली है- खुद पर नियंत्रण और प्रयोग करने की। जब से अपने आस-पास को महसूसना शुरू किया, तब से आज तक पिता को अपने जीवन पर प्रयोग करते देख रहा हूँ, मैं। सिर्फ माता-पिता ही नहीं देखते बच्चों के विकास को, कभी-कभार बच्चे भी देखते हैं माँ-बाप को बढ़ते हुए। पिता निरंतर इस प्रक्रिया में लगे रहते हैं। इस प्रक्रिया को हमें समझना चाहिए।

**पिता के बिना जिंदगी वीरान है,**<br>**सफर तन्हा और राह सुनसान है।**<br>**वही मेरी जमीं वही आसमान है,**<br>**वही खुदा वही मेरा भगवान है। - रमेश गैदर**

# निर्जला एकादशी 18 जून 2024

हमारी सनातन संस्कृति में एकादशी व्रत का विशेष महत्व है। हिन्दु पंचांग के अनुसार एक वर्ष में 24 एकादशियां आती हैं और हर एकादशी का अपना एक विशेष महत्व है, लेकिन ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की निर्जला एकादशी के व्रत को अत्यंत फलदायी माना जाता है।

निर्जला एकादशी व्रत ज्येष्ठ शुक्ल की एकादशी को मनाया जाता है। इस बार ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की निर्जला एकादशी, मंगलवार, 18 जून 2024 को है। इस व्रत में पानी पीना वर्जित माना जाता है, इसलिए इसे निर्जला एकादशी कहा जाता है।

**पौराणिक मान्यता** है कि निर्जला एकादशी के दिन बिना जल के उपवास रहने से सुख, यश, मोक्ष और मनचाहे फल की प्राप्ति होती है। मान्यता है कि जो व्यक्ति साल की सभी एकादशियों पर व्रत नहीं कर सकता, वो निर्जला एकादशी का व्रत करके बाकी एकादशियों के पुण्य के बराबर फल प्राप्त कर सकता है।

ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की निर्जला एकादशी का प्रारम्भ सोमवार 17 जून को तड़के 4:43 (AM) बजे होगा और समापन मंगल 18 जून को सुबह 6:24 (AM) बजे होगा। तिथि के अनुसार निर्जला एकादशी का व्रत मंगलवार 18 जून 2024 को रखा जाएगा। निर्जला एकादशी में 24 घंटे निर्जल व्रत रखने की परंपरा है। निर्जला एकादशी व्रत के पारण का समय बुधवार 19 जून को सुबह 5:24 (AM) बजे से सुबह 7:28 (AM) बजे तक रहेगा।

**विधि**-निर्जला एकादशी के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर सभी कामों से निवृत्त होकर स्नान करें। उसके बाद पीले वस्त्र पहनकर भगवान श्री विष्णु का जप **''ॐ नमो भगवते वासुदेवाय''** करके गोदान, वस्त्र दान, छत्र, फल आदि का दान करना चाहिये। शास्त्रों के अनुसार ये व्रत पापों से मुक्ति दिलाता है, मोक्ष प्रदान करता है और जन्म-जन्मांतर के बंधन से मुक्ति दिलाता है।

**निर्जला एकादशी व्रत कथा**

पौराणिक कथा के अनुसार एक बार वेद व्यास जी ने पांडवों को एकादशी व्रत का संकल्प कराया तो उस समय भीम चिंतित हो गए और उन्होंने वेद व्यास जी से कहा कि आप तो प्रत्येक माह के हर पक्ष में एक व्रत रखने को कह रहे हैं, लेकिन मुझसे तो भूख सहन नहीं होती है, मैं तो एक पल भी बिना भोजन के नहीं रह सकता, फिर पूछा कि, 'ये व्रत कैसे करूंगा?' भीम की बात सुनकर व्यासजी बोले कि जो व्यक्ति एकादशी तिथि पर व्रत नहीं करता और भोजन करता है उसे स्वर्ग की प्राप्ति नहीं होती, निराश होकर भीम ने व्यास जी से कहा कि आप मुझे साल में सिर्फ एक व्रत बताइए, जिसे करने से मुझे स्वर्ग की प्राप्ति हो सके।

तब वेद व्यास जी ने कहा कि ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी व्रत रखने से वर्षभर के समस्त एकादशी व्रत का पुण्य फल प्राप्त होता है, यह निर्जला एकादशी व्रत है। निर्जला एकादशी व्रत करने से तुम्हें यश, पुण्य और सुख प्राप्त होगा और मृत्यु के बाद भगवान विष्णु की कृपा से मोक्ष भी प्राप्त होगा। तब भीम ने निर्जला एकादशी व्रत रखा। इस वजह से निर्जला एकादशी को भीमसेन एकादशी, पांडव एकादशी और भीम एकादशी के नाम से भी जाना जाता है।

इस दिन प्रातः 4:30 बजे तक पानी पी सकते है। निर्जला एकादशी के दिन अपने मन को एकाग्र रखें और ब्रह्मचर्य का पालन करें। इस दिन किए गए दान-पुण्य का भी विशेष महत्व है। निर्जला एकादशी के दिन जल से भरा एक कलश दान करें और प्यासे लोगों को पानी पिलाएं। इस दिन फलों का सेवन करके व्रत खोले तथा अन्न का सेवन अगले दिन करे।- **शोभिका कुमावत, सवाईमाधोपुर**

## श्री श्याम सुमन वार्षिकोत्सव एवं भजन संध्या का हुआ आयोजन

स्वामिनी सेवा संस्था व श्री श्याम मित्र मंडल के तत्वाधान में 14वां श्री श्याम सुमन वार्षिकोत्सव एवं विशाल भजन संध्या श्री बंदडेश्वर महादेव मंदिर, कुमावत कॉलोनी, सोड़ाला, जयपुर में आयोजित की गई। जिसमें बाबा श्याम का दरबार सजाया गया तथा श्रद्धालुओं ने श्रृंगार के अलौकिक दर्शन किए। भजन संध्या में अलग-अलग स्थानों से आए भजन गायक भारती कुमावत, अमित नामा, महेश परमार, राजू खण्डेलवाल, हरिनारायण शर्मा, आदित्य छिपा, सागर शर्मा व विशाल-कुशाल अपने भजनों की प्रस्तुति से श्याम बाबा को रिझाया। इस मौके पर अखंड ज्योत प्रज्ज्वलित कर पुष्पवर्षा की गई इसके साथ छप्पन भोग लगाया गया।

जयपुर की भारती कुमावत ने यह बाबा तो मेरा रखवाला है..., सांवरे तेरे ही भरोसे मेरी नाव रे..., अमित नामा ने किसने सजाया तुमको बड़ा प्यारा लगे..., महेश परमार ने कन्हैया तो हमारा साथी है गरीबों का सहारा है..., राजू खण्डेलवाल ने वो बासुरी वाले लीले घोड़े वाले मेरा दिल करता है..., हरिनारायण वर्मा ने श्याम नाम का कर ले जाप, मिट जाएंगे तेरे पाप आदि भजन गाए और श्याम भक्त भजनों पर ताली बजाते हुए झूम उठे।

कार्यक्रम संयोजक गोविन्द कुमावत, रमेश कुमावत व अशोक कुमावत ने बताया कि बाबा के चरणों में शीश नवाने के लिए हवामहल विधायक बालमुकुन्दाचार्य, आरएएस पंकज ओझा, हेरिटेज नगर निगम की महापौर मुनेश गुर्जर, भूमिजा ग्रुप के गंगासहाय तंवर, 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के ट्रस्टी चेतन बालोदिया, सह-सम्पादक जयसिंह गुडीवाल व संदीप कुमावत आदि भक्त पहुँचे।

## लक्ष्मीनारायण कुमावत एयरफोर्स एसोसिएशन, राजस्थान प्रेसिडेंट निर्वाचित

एयर फोर्स एसोसिएशन राजस्थान की साधारण सभा तथा फैमिली पिकनिक जयपुर, मानसरोवर में इस्कॉन टेंपल परिसर में आयोजित की गई। साधारण सभा में संगठन के बारे में बताया गया और फिर चुनाव की प्रक्रिया चालू की गई जिसमें सर्व सम्मति से लक्ष्मीनारायण कुमावत को प्रेसिडेंट चुना गया तथा उन्हें कार्यकारी गठित करने के लिए स्वतंत्र अधिकार दिया। अन्य पदाधिकारियों का चयन एजीएम में किया जाएगा। एयर फोर्स एसोसिएशन वायु सेना से सेवानिवृत हुए वायु सैनिकों का संगठन है। एल.एन. कुमावत पचार एकता मंच, जयपुर के भी अध्यक्ष है और पावर सेक्टर कुमावत ग्रुप के संरक्षक हैं तथा सामाजिक कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाते हैं।

**'कुमावत इंडिया'** पत्रिका परिवार की ओर से श्री लक्ष्मीनारायण कुमावत को अध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने पर बधाई।

## RBSE Result में जयपुर का जलवा, 12वीं बोर्ड कला में युवरानी कुमावत ने हासिल किए 98% अंक

### टीम चेतन धुंधारिया ने सम्मानित कर दी बधाई

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर की ओर से 12वीं कला के घोषित नतीजों में जयपुर शहर, बरकत नगर की छात्रा युवरानी कुमावत ने 98.20 प्रतिशत अंक हासिल कर अपने माता-पिता, अध्यापकों व समाज का नाम रोशन किया है। युवरानी कुमावत सेंट जोजेफ सी.सै. स्कूल बरकत नगर की नियमित छात्रा है। युवरानी के पिता राकेश कुमावत राज. उच्च न्यायालय, जयपुर में एडवोकेट एवं माता मंजू कुमावत गृहणी है। युवरानी के घर में खुशी का माहौल है। परिणाम घोषित होते ही युवरानी के घर बधाई देने वालों का तांता लग गया। साथ ही परिवार व समाज के लोगों ने एक-दूसरे का मुंह मीठा कराकर बधाई दी। टीम चेतन धुंधारिया द्वारा युवरानी को माला पहनाकर, पुष्पगुच्छ भेंट कर व गुलाल लगाकर बधाई दी। टीम के संस्थापक चेतन कुमावत ने भी दूरभाष पर युवरानी व उनके माता को बधाई दी।

टीम के प्रवक्ता जयसिंह गुडीवाल ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य होते हैं और उनके साथ खड़े होकर उनका मनोबल बढ़ाते रहना चाहिए। हर छोटी-बड़ी उपलब्धि के लिए उन्हें प्रोत्साहित करें। उनकी सराहना करें और सही मार्ग दिखाएं। इस अवसर पर **'कुमावत इंडिया पत्रिका'** के ट्रस्टी चेतन बालोदिया, जयसिंह गुडीवाल, सोनम कुमावत, संदीप कुमावत, ऊषा कुमावत, राकेश सोनी सहित टीम के सदस्य मौजूद थे।

## राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
## 12वीं कला संकाय
# हार्दिक बधाईयाँ

**शुभेच्छु :**

दिनेश कुमावत-मुन्नी देवी, बाबूलाल कुमावत-विमला देवी
खेमचन्द कुमावत-लोकेश देवी, दामोदर कुमावत-भगवती देवी
दौलत कुमावत-किरण देवी, राजकुमार कुमावत-तेजल देवी ( दादा-दादी )
मंजू देवी-राकेश कुमावत ( माता-पिता )
पलक ( बहन )
नेमीचन्द जी-सुमन, सुरेन्द्र जी - अनीता, महेन्द्र जी-संतोष
राजेश जी-रेखा, रामावतार जी-शीला, निरंजन जी-विनिता
रमेश जी-मीनू, विवेक जी-प्रियंका, सुमित जी-अंजू
नरेन्द्र जी-लक्ष्मी, विकास जी-ज्योती, चंचल कुमावत ( फूफाजी-बूआ )
गोपाल-मनीषा, जितेन्द्र-टीना, लेखराज-कोमल
प्रकाश-प्रिया, परम कुमावत ( चाचा-चाची )

98.20 प्रतिशत अंक
सफलता प्राप्त करने पर बिटिया

Congratulations!

## राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

98.20 प्रतिशत

टीम चेतन धुंधारिया के सदस्य
राकेश कुमावत, एडवोकेट
की पुत्री

12वीं कला संकाय

# युवरानी कुमावत
को
## हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ

TEAM CHETAN DHUNDHARIYA
नई सोच-सबका साथ-सबका विकास

## टीम चेतन धुंधारिया

( राज्य स्तरीय सम्मान 'निक्षय मित्र' से सम्मानित )
चेतन धुंधारिया 9829017584, 8209687840

## रामेश्वर महादेव मंदिर में हनुमंत कथा

# हनुमान चालीसा की एक-एक चौपाई जीवन के हर क्षेत्र में सफलता देने वाली

हरिनाम संकीर्तन परिवार के तत्वावधान में 108 हनुमत कथाओं की कड़ी में 96वीं कथा महारानी फार्म के महावीर नगर द्वितीय, जयपुर स्थित श्री रामेश्वर महादेव मंदिर में हुई। व्यासपीठ से अकिंचन महाराज ने प्रवचन करते हुए कहा कि रामचरितमानस तथा हनुमान चालीसा की एक-एक चौपाई तुलसीदास द्वारा रचित है। जिनके पाठ करने से जातक की सभी समस्याओं का समाधान होता है। कुछ लोग रट्टा मारकर इसे पढ़ते है। यदि अर्थ समझकर इसे दिल से पढ़ा जाए तो इसकी एक-एक चौपाई जीवन के हर क्षेत्र में सफलता देने वाली है। भगवान राम के प्रिय भक्त हनुमान जी को अष्ट सिद्धि और नौ निधि के दाता के रूप में जाना जाता है।

गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित हनुमान चालीसा वीर हनुमान को प्रसन्न करने के लिए सबसे सरल और शक्तिशाली स्तुति है। इसकी हर चौपाई अलग-अलग रूप से शक्तिशाली है। जीवन की हर समस्या का समाधान हनुमान चालीसा द्वारा किया जा सकता है। गोस्वामी तुलसीदास ने हनुमान चालीसा के माध्यम से हनुमानजी के बल, बुद्धि और पराक्रम का वर्णन किया है। हनुमान चालीसा की अनेक चौपाइयों में हमारी समस्याओं का समाधान भी छिपा हुआ है।

महारानी फार्म तथा आसपास की कॉलोनियों के निवासियों ने श्री अकिंचन जी महाराज के श्री मुख से कथा रस प्रवाह का बड़ी ही रुचि से आनन्द लिया तथा हनुमान जी के संदेशों और हनुमंत कथा में बताए गए उपदेशों को अपने जीवन में उतारने का आश्वासन दिया।

# रोज क्वाट्र्स हृदय चक्र का अनावरण

विश्व उच्च रक्तचाप दिवस-2024 के अवसर पर ग्लेनमार्क, फार्मास्युटिकल्स के नेशन वाइड हार्ट हेल्थ इनिसिएटिव कार्यक्रम के अवसर पर रोज क्वाट्र्स के ही पत्थर पर

विशाल मानव हृदय को तराशने हेतु ग्लेनमार्क के राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता तथा जेम्स स्टोन कार्विंग आर्टिस्ट **पृथ्वीराज कुमावत** के साथ साझेदारी करते हुए 8 फिट ऊँची और साढ़े 3 टन वजन वाली अनूठी हृदय संरचना बनाई जिसका अनावरण किया गया। रोज क्वाट्र्स हृदय चक्र से जुड़ा एक पत्थर है जो भावनात्मक संतुलन को बढ़ावा देता है। इस अवसर पर डॉ. दीपक माहेश्वरी, डॉ. जे.एस. मक्कड़, डॉ. मनोज कुमार के साथ अनेक हृदय रोग विशेषज्ञ उपस्थित रहे। डॉ. जे.एस. हीरेमथ, डॉ. ए. श्रीनवास कुमार, डॉ. जे.पी.एस. साहनी और डॉ. दिलीप कुमार ने हृदय स्वास्थ्य के महत्व पर जोर दिया।

जेम्स स्टोन कार्विंग आर्टिस्ट पृथ्वीराज कुमावत के इस योगदान को सभी ने सराहा।

## वैवाहिक

# लक्ष्मण वर्मा

| | | |
|---|---|---|
| जन्म दिनांक | : | 10 जनवरी, 1982 |
| जन्म स्थान | : | जयपुर |
| ऊँचाई | : | 5 फुट 7 इंच |
| शैक्षणिक योग्यता | : | बी.कॉम |
| व्यवसाय | : | प्राईवेट सर्विस-प्रोडक्शन हैड<br>मरकरी डिजाइन प्रा.लि., सी-स्कीम, जयपुर |
| आय | : | 45000 रुपए मासिक |
| गौत्र | : | स्वयं : बासनीवाल माँ : खोराणिया<br>दादी : घोड़ेला नानी :भेड़ीवाल |
| पिता | : | श्री जगदीश वर्मा (बासनीवाल) |
| माता | : | स्व. गायत्री देवी |
| बच्चे | : | 2 लड़के (9 वर्षीय तथा 13 वर्षीय) |
| सम्पर्क | : | 9460763636 |

**नोट :** पत्नी का सड़क दुर्घटना में निधन हो गया था।

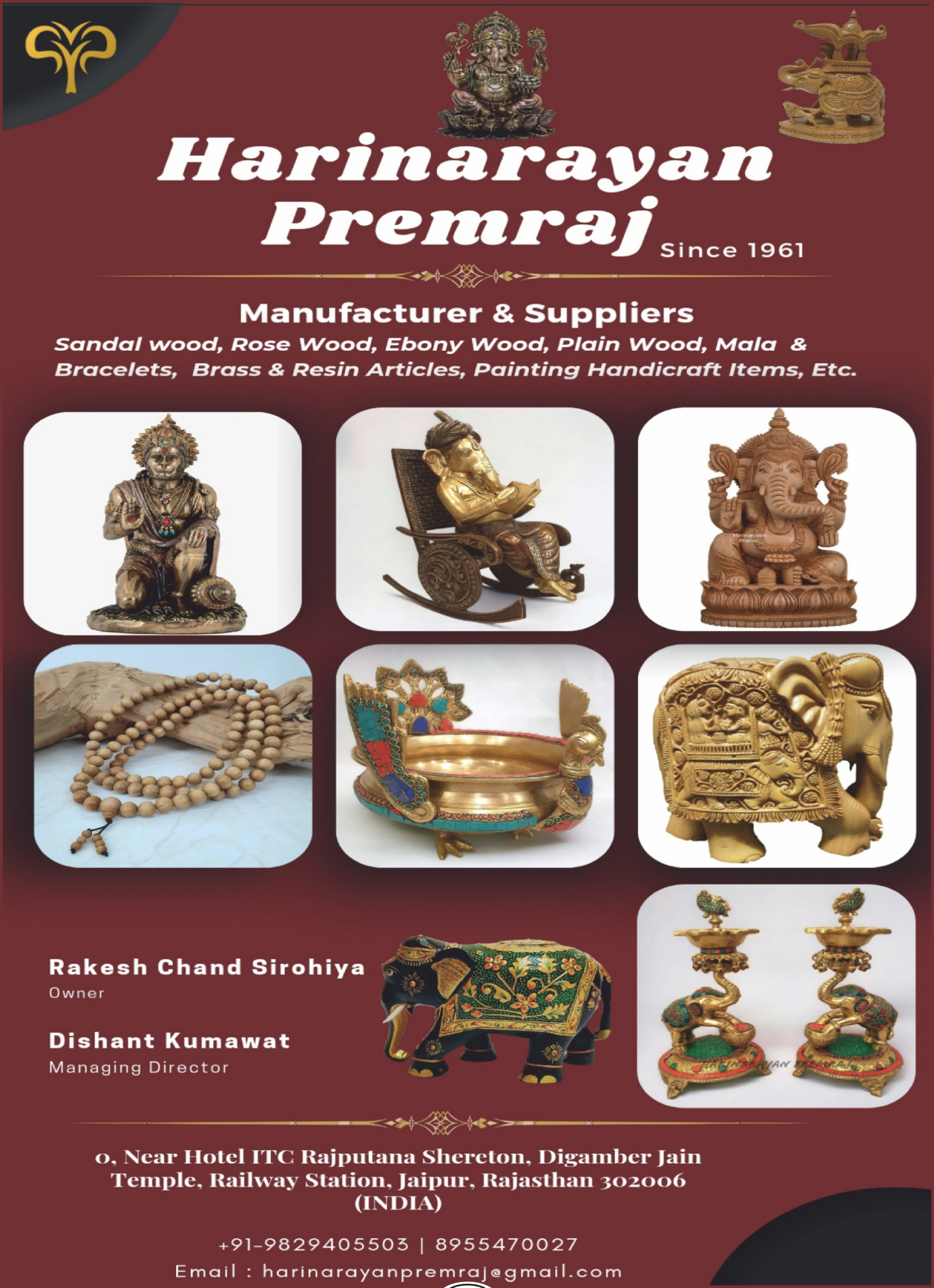
Harinarayan Premraj
Since 1961
Manufacturer & Suppliers
Sandal wood, Rose Wood, Ebony Wood, Plain Wood, Mala & Bracelets, Brass & Resin Articles, Painting Handicraft Items, Etc.
Rakesh Chand Sirohiya
Owner
Dishant Kumawat
Managing Director
0, Near Hotel ITC Rajputana Shereton, Digamber Jain Temple, Railway Station, Jaipur, Rajasthan 302006 (INDIA)
+91-9829405503 | 8955470027
Email : harinarayanpremraj@gmail.com

# आचरण और व्यवहार हमारा सबसे बड़ा परिचय है

केवल मनुष्य एक ऐसा प्राणी है, जो अपने व्यवहार में परिवर्तन कर सकता है। मनुष्य भटका हुआ देवता है यदि उसे सही राह पर चलाने के लिए कोई कुशल गाइड मिल जाए तो वह अपनी असाधारण ऊँचाई और सामर्थ्य से हर किसी को चमत्कृत कर सकता है। लेकिन अक्सर हम अपने सुखों और छोटे स्वार्थों की दौड़ में विचलित हो जाते हैं। जीवन के सबसे महत्वपूर्ण कार्य अपने आचरण यानी चरित्र निर्माण को भुला बैठते हैं।

राम का स्मरण करते ही मर्यादा मूर्तिमान हो जाती है। सीता और हनुमान का नाम आते ही पवित्रता और भक्ति की अनुभूति होने लगती है। दान का प्रसंग छिड़ते ही कर्ण की छवि उभरती है।

क्या हमने भी अपनी कोई ऐसी पहचान बनाई है? प्राचीनकाल जैसी सत्य-निष्ठा आज हममें नहीं है। पहले इंसान घबराता था कि उससे कोई बुरा काम न हो जाए, कहीं उसे झूठ न बोलना पड़े। आज यह निष्ठा समाप्त हो गई। आज जो झूठ बोल सकता है, बात को छिपा सकता है, वही अधिक कुशल और व्यवहारिक माना जाता है। इस प्रवृत्ति ने हमारी सम्पूर्ण आस्था को आन्दोलित कर दिया है।

आदमी का भरोसा कहीं जम नहीं पा रहा है, क्योंकि हम अपने जीवन मूल्यों को आचरण में लाना भूलते गए हैं। हमारे जीने का तरीका ही हमारी सबसे बड़ी पहचान है। हमारी संपदा है, हमारा चरित्र। यही आचरण और व्यवहार हमारा सबसे बड़ा परिचय है।

हम एक ओर तो शांति के लिए आकाश में कबूतर उड़ाते हैं और दूसरी तरफ इंसान के विनाश के लिए घातक शास्त्रों का निर्माण करते रहते हैं। यही वजह है कि हम ऊपरी तौर पर विकास के नए-नए कीर्तिमान तो बनाते रहते हैं, लेकिन हमारा और हमारे समाज का नैतिक मूल्यों का ग्राफ पतन की निचली सतह तक पहुंचता जा रहा है।

इसका परिणाम गम्भीर मनोरोगों से लेकर कलह, अशांति और गहन विषाद के रूप में सामने आ रहा है। जीवन में अराजकता फैल गई है। मन पर व्याकुलता छा गई है। सुख के समय अनीति के मार्ग पर दौड़ते रहकर, दु:ख के समय में जीवन समाप्त करने वाले का कायरों की संख्या बढ़ रही है कहीं ऐसा न हो कि जिस मनुष्य की प्रगति के लिए हम बड़े-बड़े मॉल, सड़कें और आधुनिक सुविधाओं से युक्त भवन बना रहे हैं, आचरण के अभाव में उनमें रहने वाला मनुष्य ही पीछे छूट जाए।

मनुष्य के सर्वांगीण विकास में उसके आचरण की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। अच्छा आचरण उसे परिवार व समाज में विशेष स्थान दिलाता है। सदाचारी व्यक्ति का सभी आदर करते हैं तथा वह सभी के लिए प्रिय होता है। सदाचरण के बिना किसी भी समाज में मनुष्य प्रतिष्ठा प्राप्त नहीं कर सकता। सदाचारी होने के लिए यह आवश्यक है कि वह दुर्गुणों से बचे तथा सद्गुणों को अपनाएं। हमें एक-दूसरे के प्रति ईर्ष्या व घृणा का भाव नहीं होना चाहिए।

सदाचरण से परस्पर प्रेम व आदर भाव बढ़ता है। मनुष्य को दूसरों के प्रति कभी भी इस प्रकार का व्यवहार नहीं करना चाहिए जिसे वह स्वयं के लिए पसंद नहीं करता हो। उसे दूसरों के प्रति नम्रता का व्यवहार रखना चाहिए। नम्र व्यवहार रखने के लिए किसी प्रकार की धन की आवश्यकता नहीं होती परन्तु नम्रता के द्वारा दूसरों के हृदय पर स्थायी प्रभाव डाला जा सकता है।

सदाचारी व्यक्ति अपने से कमजोर व्यक्ति को यथासंभव रूप से सहयोग कर उसे सामर्थ्यवान देखना चाहता है। वृद्ध के प्रति वह सदैव आदर-भाव रखता है। छात्रों के लिए सदाचरण से तात्पर्य है कि वे अपने माता-पिता व गुरुजी का आदर करें तथा उनकी आज्ञा का पालन करें। अपने से कमजोर छात्रों तथा दीन दुखियों की मदद करें। परस्पर ईष्या-भाव को त्यागकर मिलजुल कर रहें।

इसके अतिरिक्त यह आवश्यक है कि मित्रों, सम्बन्धियों व अन्य व्यक्तियों से बातचीत करते समय हमारी भाषा स्पष्ट व मधुर हो। यदि कोई हमारे प्रति कटु शब्द का प्रयोग करता है तो ऐसी परिस्थिति में हमें अपना आपा नहीं खोना है, मधुरता, प्यार, सहयोग व अपनेपन के द्वारा कठोर-हृदय पर भी विजय पाई जा सकती है। सभी परिस्थितियों में वह अपने सभी कर्तव्यों का निर्वाह करने का प्रयास करता है वह ईश्वर के प्रति आस्था रखता है। जीवन पर्यन्त सदाचरण रहने वाला व्यक्ति जहाँ भी जाता है अपनी एक अमिट छाप छोड़ जाता है। वह सभी के लिए प्रिय व सम्मान का पात्र होता है। अपने अच्छे आचरण से स्वयं का ही नहीं अपितु अपने माता-पिता, वंश व राष्ट्र का नाम ऊँचा करता है।

कृष्ण के ही कारण उनके माता-पिता व उनके वंश को प्रसिद्धि मिली। आदर्श पुत्र श्रीराम के कारण उनके माता-पिता धन्य हो गए।

**- सीमाराज कुमावत ( मारवाल )**

## नये सदस्य

5/206 श्री मिथलेश कुमावत, होदकास्या, झोटवाड़ा, जयपुर
5/207 श्री मनोहर लाल मारवाल, रजनीविहार, जयपुर
5/208 श्री राधेश्याम रेणीवाल, मुरलीपुरा, जयपुर
5/209 श्री घनश्याम गेदर, मांग्यावास, जयपुर
5/210 श्री भंवरलाल कण्डेरीवाल, नांगल सुसावतान, जयपुर

# विचार-विमर्श :अंतिम संस्कार और उससे जुड़ी कुरीतियाँ

गीता में लिखा है कि आत्मा अजर अमर है। विज्ञान, आत्मा को ऊर्जा कहता है जो रूपान्तरित होती रहती है। यह भी एक सार्वकालिक और अमिट सत्य है कि जिसने जन्म लिया है वह मृत्यु को प्राप्त होगा। विभिन्न धर्मों में मृत्योपरांत अंतिम संस्कार करने के अलग-अलग तरीके अपनाये जाते हैं। हिंदूओं में अंतिम संस्कार में मृत शरीर को अग्नि के सुपुर्द किया जाता है। इसे दाह संस्कार, अंत्येष्टि क्रिया, शवदाह, दाग लगाना आदि भी कहा जाता है। जिस प्रक्रिया के तहत अंत्येष्टि की क्रिया संपन्न की जाती है उसे ही अंतिम संस्कार कहा जाता है।

मनु स्मृति में जन्म से मृत्यु तक 40 संस्कार माने गए हैं। समाज में बदलाव बाद अब 16 संस्कारों को माना जाने लगा है। गर्भाधान संस्कार से प्रारम्भ होकर नामकरण संस्कार, विवाह संस्कार आदि सोलह संस्कारों का यह सफर अंतिम संस्कार पर आकर विराम ले लेता है। धर्मज्ञ मानते हैं कि अच्छी तरह से लकड़ी की चिता बनाकर मृतक को उस पर लेटाकर और पूर्ण रीति-रिवाज से दाह-संस्कार करना ही श्रेष्ठ कर्म है, अन्य तरीके से दाह-संस्कार करना धर्म विरुद्ध है। इस क्रिया को धार्मिक रीति से संपन्न करना चाहिए। मृतकों के साथ पेश किए जाने वाले तरीकों से हमारे सभ्य या असभ्य होने का पता चलता है। संपूर्ण सम्मान और आदर के साथ ही उसका दाह संस्कार किया जाना चाहिए। इस दौरान लोगों को अनुशासन में रहना चाहिए और श्मशान में भी मृतक के प्रति संवेदना रखते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए मौन रह कर प्रार्थना करनी चाहिए।

अंतिम संस्कार मनुष्य को इस संसार से आदर सहित विदा करने का संस्कार है, इसलिए जहाँ तक संभव हो अपने धर्म के अनुसार उसे पूर्ण करने का प्रयास अवश्य किया जाना चाहिए। परंतु शास्त्रों में वर्णित इन संस्कारों में धीरे-धीरे कुछ कुरीतियों ने घर कर लिया है। यह सभी समाजों के लिए विचार विमर्श का मुद्दा होना चाहिए। हमारे कुमावत समाज में भी कुछ गलत परंपराएं अंतिम संस्कार के साथ जुड़ गई है। आइए, इन पर कुछ विचार करें:

**1. कफन ( वस्त्र ) की रस्म :** मृत्यु होने के पश्चात शव के ऊपर वस्त्र ओढ़ाते हैं। जिसे कफन कहा जाता है। मृतक के घर वाले और सुसराल पक्ष के सभी रिश्तेदारों द्वारा कफ़न लाया जाता है। कभी कभी तो 25-30 कफ़न शव के ऊपर बिछा दिए जाते हैं। बाजार में यह 150 से 250 रुपए तक का मिलता है। शमशान घाट में जाते ही इन वस्त्रों को उतार कर एक कोने में फेंक दिया जाता है। जो या तो कचरे के ढेर में तब्दील हो जाते हैं या फिर पुन: बाजार में पहुंच जाते हैं। यह पूरी तरह से पैसों की बर्बादी है। इससे बेहतर है कि मृतक के ससुराल पक्ष से सिर्फ एक या दो कफ़न मंगाया जाए। बाकी सभी कफन के स्थान पर नारियल अपने साथ ले आए और मुखाग्नि के साथ ही उन नारियलों का भी प्रयोग किया जाए। नारियल हमारे यहां सम्मान का सूचक है हम किसी के भी प्रति आदर व्यक्त करने के लिए नारियल भेंट करते हैं। अत: मृतक को भी नारियल देकर हम उनके प्रति अपने आदर और सम्मान के भाव को ही प्रदर्शित करेंगे। साथ ही शव जलने के कारण उत्पन्न वायु प्रदूषण को भी कुछ हद तक सीमित किया जा सकेगा। नारियल को अग्नि में डालने से वैसे भी वातावरण शुद्ध होता है।

**2. खिचड़ी की रस्म :-** अंतिम संस्कार के पश्चात घर आकर परिवार का मुखिया बाहर खड़ा हो जाता है और रिश्तेदार उनके हाथ में यथाशक्ति रुपए देते हैं। इन पैसों के द्वारा बाहर से भोजन लाया जाता है। पहले शायद दरिद्रता बहुत ज्यादा थी और अंतिम संस्कार में खर्च होने के कारण परिवार की आर्थिक मदद के हिसाब से यह खिचड़ी के पैसे देने की परंपरा प्रारंभ हुई होगी। लेकिन अब इसकी ऐसी कोई आवश्यकता नहीं रह गई है। खिचड़ी के पैसों के माध्यम से रिश्तेदारों पर अनावश्यक आर्थिक भार नहीं डाला जाना चाहिए। यह खुशी का विषय है कि हमारे समाज में अनेक परिवारों ने खिचड़ी की इस रस्म का बहिष्कार करना प्रारंभ कर दिया है।

**3. मृत्यु भोज:-** परिवार के सदस्य की मृत्यु के पश्चात बाहरवें या तेरहवीं पर मृत्यु भोज करने की परंपरा है। दरअसल शास्त्रों में मृत्यु के उपरांत अन्नदान का प्रावधान रखा गया था। लेकिन अन्नदान की जगह मृत्यु भोज होने लगे। तब से विकृति आने लगी। बाहरवें के भोजन के नाम पर सैकड़ों लोगों को जिमाया जाने लगा। गरीब परिवारों पर ये बोझ सा बनने लगा। ऐसे में समाज को चाहिए कि गरीब परिवारों के दायित्व को खुद संभालें। भगवान श्रीकृष्ण ने दुर्योधन के भोजन के आमंत्रण पर कहा था कि **'संप्रीति भोज्यानि आपदा भोज्यानि वा पुनैः'** यानी जब खिलाने वाले का मन प्रसन्न हो, खाने वाले का मन प्रसन्न हो, तभी भोजन करना चाहिए। जानवरों से सीखना होगा कि साथी बिछड़ जाने पर वह उस दिन चारे का त्याग कर देते हैं फिर हम तो मनुष्य हैं। अत: इसे पूर्णत: समाप्त कर दिया जाना चाहिए या इसे सीमित मात्रा में कर देना चाहिए। सिर्फ स्वर्गीय परिजन के नजदीकी रिश्तेदारों को ही निमंत्रण दिया जाए। 50-60 लोगों से ज्यादा का भोजन शोक संतप्त परिवार में नहीं होना चाहिए। अत: समीप के रिश्तेदारों के अतिरिक्त किसी को नहीं बुलाया जाए। लोगों द्वारा इसका बुरा भी नहीं माना जाए। वैसे अच्छी बात है कि अनेक वरिष्ठ जनों ने बाहरवें के भोजन का त्याग कर रखा है।

**4. पहरावनी:-** शोक के समय किसी भी प्रकार की भेंट देना या लेना बिल्कुल गलत है। एक शोक संतप्त परिवार को नए कपड़े भेंट करना हमारी संवेदनहीनता को प्रदर्शित करता है। देखा गया है कि गांवों में मृत्यु के पश्चात भी पहरावनी ली जाती है और पीहर पक्ष पर अनावश्यक खर्च का भार डाल दिया जाता है। कई जगह तो पचास-साठ साड़ियां तक ली जाती है। कितने अफसोस की बात है कि हमने मौत को भी अपनी स्वार्थ पूर्ति का साधन बना लिया है।

इसी प्रकार गंगाजल की शीशी पूजन के पश्चात भी कपड़े देने

की गलत परंपरा है । हम अपने परिजनों को उपहार देते हैं जब कोई खुशी या हर्ष का अवसर होता है। जिस परिवार ने अपना प्रिय जन खोया है, उसको इस दुख की घड़ी में नए कपड़े, साड़ियां,बर्तन आदि देकर हम क्या साबित करना चाहते हैं ? यह पूर्ण रूप से एक संवेदना शून्य परंपरा है। जिसको जल्द से जल्द समाप्त करना आवश्यक है। यह अच्छी बात है की अनेकों परिवारों ने इस परंपरा का भी पूर्णत: बहिष्कार कर दिया है। जिसमें मेरे ससुराल का परिवार भी शामिल है।

**5 . पगड़ी की रस्म:**- इस रस्म में परिवार के मुखिया की मृत्यु के उपरांत घर के सबसे बड़े पुत्र को उनके उत्तराधिकारी के रूप में रस्मी तौर पर पगड़ी बांधी जाती है। पगड़ी समाज में इज्जत का प्रतीक है इसलिए इस रस्म द्वारा दर्शाया जाता है कि अब परिवार के मान-सम्मान और कल्याण की जिम्मेदारी इस पुरुष के कंधों पर है। इस रस्म का प्रारंभिक उद्देश्य यही रहा होगा। लेकिन धीरे-धीरे इसमें पगड़ी के पैसे देने की एक होड़ भी शामिल हो गई। पगड़ी धारण करने वाले व्यक्ति के ससुराल पक्ष के विभिन्न सगे संबंधियों द्वारा पगड़ी के साथ पैसे भी दिए जाने लगे। दस-बीस रुपए से शुरू हुई यह परंपरा पांच सौ, ग्यारह सौ से होते हुए आज हजारों रुपए तक पहुंच गई है। सोचिए, एक गरीब पिता के पांच पुत्रियाँ हैं। पांचों के ससुर की मृत्यु होने पर उन्हें अपनी बेटियों के ससुराल इन पगड़ी की रस्म के नाम पर ही कितने पैसे देने पड़ जाएंगे। यह तो सरासर जबरन डाला गया आर्थिक भार है। अत: पगड़ी की इस रस्म को भी समाप्त करना चाहिए या फिर प्रतीकात्मक रूप से पाँच या दस रुपए लेकर पगड़ी की रस्म की मूल भावना को बनाए रखना चाहिए।

**निष्कर्षत:** हम देखते हैं कि अपने समाज को प्रगतिशील बनाने के लिए कुछ परम्पराओं का परित्याग आवश्यक है। आज हम अपने आस-पास और समाजों की ओर नजर डाले तो पाएंगे जैन, ब्राह्मण, बनिए समाजों ने खुद मे बहुत बदलाव लाकर खुद को विकसित समाज बनाया है। हमें भी इस दिशा में परिवर्तन पर विचार अवश्य करना चाहिए।

**पाठक पीठ :**-हमारे पाठक श्री गुरु शरण जी मारवाल पुत्र स्वामी शरण जी मारवाल की पिछले अंक में प्रकाशित आलेख 'अन्न की बर्बादी' पर प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। उन्होंने आलेख की भूरि-भूरि प्रशंसा की साथ ही इसे समाज सुधार के लिए आवश्यक भी माना। उन्होंने अगला आलेख अंतिम संस्कार में व्याप्त कुरीतियों पर लिखने का सुझाव भी दिया। यह गर्व की बात है कि अभी अपनी माताजी के देहावसान पर आपने कफन की जगह नारियल की परंपरा की शुरुआत की। साथ ही खिचड़ी की परंपरा का भी पूर्णता बहिष्कार किया। हमारे समाज को ऐसे ही प्रगतिवादी सोच के परिवारों की आवश्यकता है। आप और आपका परिवार इसके लिए प्रशंसा के पात्र हैं।

कुमावत समाज के विकास हेतु आप अपने सुझाव whatsapp नंबर 9408093778 पर दे सकते हैं। आपके सुझाव, नाम सहित कुमावत विज़न 2030 के स्तम्भ में प्रकाशित आलेख में किए जाएँगे। **-डॉ प्रिया मारवाल,** Asst. Professor

# स्वावलम्बी व्यक्ति सदैव सुखी

महेश और रमेश अभिन्न मित्र थे, दोनों एक ही कक्षा में साथ-साथ पढ़ते थे। महेश के पिताजी बहुत अमीर थे जबकि रमेश के पिताजी निर्धन थे। जब बहुत छोटा था, तभी उसके माता-पिता ए दुर्घटना में चल बसे थे और अब उसकी गरीब बुआ उसके लालन-पालन का भार उठा रही थी। रमेश घर में अपने सारे काम करवाता और साथ ही साथ बुआ के काम में भी हाथ बंटाता। उधर महेश को घर में कोई काम नहीं करना पड़ता था। उसके घर में अनेक नौकर-चाकर जो आज्ञा मिलते ही सारा काम कर देते थे।

एक दिन महेश ने रमेश को अपने घर बुलाया भोजन करने। रमेश नियत समय पर महेश के यहां पहुंच गया। दोनों ने कुछ खाया-पिया और इसके बाद बगीचे में आकर बैठ गये तथा गप्पे मारने लगे। बातचीत के दौरान महेश ने रमेश से कहा-'मित्र तुम्हारी निर्धनता देखकर मुझे बहुत दु:ख होता है। तुम्हें कितने कष्ट उठाने पड़ते हैं और अपने सारे काम खुद करने पड़ते हैं। काश तुम्हारे पास भी मेरी तरह सेवक आदि होते तो तुम्हें इतनी तकलीफ नहीं झेलनी पड़ती। यह कहते हुए महेश की आँखें भर आईं। इस पर रमेश ने कहा तुम बेकार ही मेरे बारे में सोचकर परेशान होते हो मित्र मुझे कोई परेशानी नहीं है। हाँ, मैं तुम्हारे जितना अमीर नहीं हूं, लेकिन मैं अपने इस जीवन से संतुष्ट हूं। और फिर तुमसे किसने कहा कि मेरे पास कोई सेवक नहीं है। मेरे एक नहीं, आठ सेवक हैं, जो मेरी हर आज्ञा का पालन करते हैं। यह सुनकर महेश हैरान रह गया और बोला-'आठ सेवक ये तुम्हारे हैं कौन, कहां रहते हैं ?' मैंने तो तुम्हारे यहां एक भी सेवक नहीं देखा। रमेश हँसते हुए कहा-'मेरे ये सेवक हरदम मेरे साथ ही रहते हैं, ये आठ सेवक हैं-मेरे दो हाथ, दो पैर, दो आँखें और दो कान। जब भी मैं अपने हाथों को आज्ञा देता हूँ तो वे मेरा सारा काम निष्ठापूर्वक सम्पन्न कर देते हैं। पैरों को आज्ञा देने पर ये मुझे वांछित स्थान पर पहुंचा देते हैं। आँखे मुझे इस गोचर जगत में सत्यता का ज्ञान कराती है और मेरे ये दो कान सुनकर मुझे अपने सामने वाले की भावनाओं को सम्प्रेषित करा देते हैं। कुछ दूर खड़े महेश के पिता भी उनकी इन बातों को सुन रहे थे। वे उनके पास आये और रमेश को शाबासी दी तथा कहा-'तुम्हारी ये बातें स्वालम्बन की महत्ता को रेखांकित करती है।' तदनन्तर उन्होंने अपने बेटे महेश से कहा—'तुम्हें भी रमेश की तरह स्वावलम्बी बनना चाहिये। स्वावलम्बी सदैव सुखी रहता है।'

**- प्रो. बी.के. कुमावत, उज्जैन**

# योग-व्यायाम : वर्तमान जीवन के लिए आवश्यक

**व्यायाम की परिभाषा :** व्यायाम केवल शारीरिक श्रम नहीं वरन् यह मन और शरीर का सम्मिलित श्रम है। दोनों का सम्मिश्रण हो जाने से नई स्फूर्ति, नई प्रेरणा, नया बल और मनोबल की अभिवृद्धि होती है। श्रम वह है, जिससे शरीर में थकावट और भारीपन आता है, पर व्यायाम शरीर में फुर्ती, अंगों में विकास और सौंदर्य भरने के लिए होता है। व्यायाम में श्रम होता है, पर थकावट नहीं। व्यायाम से उत्साह, उल्लास, स्फूर्ति और आत्मचेतना का अभिवर्धन होता है। व्यायाम एक प्रकार का सुखद श्रम है, जिससे संगठन, एकता, अनुशासन, ब्रह्मचर्य की भावनाएँ जागृत होती हैं और कामुकता की प्रवृत्ति दूर होती है।

योगीजन बताते हैं कि शरीर में अनेक मर्मस्थल होते हैं, इनका महत्त्व इसीलिए नहीं होता कि वे कोमल होते हैं वरन् इनमें बड़ी विलक्षण शक्तियाँ विद्यमान होती हैं, जिनका शारीरिक स्वास्थ्य और मनोदशा पर बड़ा अनुकूल प्रभाव पड़ता है, प्रकृति द्वारा अत्यधिक सुरक्षित रहने से साधारण व्यायाम उन्हें प्रभावित नहीं कर पाते। उन स्थानों का महत्वपूर्ण व्यायाम आसनों द्वारा संभव है और इनके लिए अनेक प्रकार के आसनों का अनुसंधान हुआ है।

**आसन व्यापक अभ्यास:** भारतीय दार्शनिकों और संतों ने गहन अभ्यास किया है और चिंतन मनन के आधार पर अष्टांग योग साधना का पथ प्रशस्त किया। इसका एक अंग आसन है। मानव जीवन के महत्तम उद्देश्यों की पूर्ति के लिए स्वास्थ्य एक अनिवार्य शर्त है। स्वास्थ्य के प्रति जो दृष्टिकोण जनसाधारण के मस्तिष्क में है. एकांगी है। स्वास्थ्य से तात्पर्य केवल शारीरिक स्वास्थ्य से लेना अपूर्ण है। शारीरिक, मानसिक तथा आत्मिक तीनों प्रकार से स्वस्थ मनुष्य ही मानव जीवन सार्थक कर सकता है ।

आसन पूर्णत वैज्ञानिक तथा पूर्ण व्यायाम हैं। इसे पाश्चात्य विद्वानों ने भी स्वीकार किया है तथा सराहना की है। आज के युग में मनुष्य का जीवन इतना जटिल हो गया है कि व्यायाम के लिए, खेल तथा अन्य साधन अपनाने के लिए सामान्य जनों के पास समय नहीं है। एक बड़े नगर में सामान्य आय वाले व्यक्ति को आजीविका तथा पारिवारिक दायित्वों को निबाहने के लिए रात-दिन लगे रहना पड़ता है। ऐसे लोगों के लिए इस प्रकार के व्यायाम कर पाना कठिन है। इसके अतिरिक्त महिलाओं की आधी दुनियाँ भी इस प्रकार के व्यायाम के लिए समय भी बड़ी कठिनाई से निकाल पाती है। वृद्धों के लिए भी ये उपयुक्त नहीं हो सकते। आसन के लिए न तो कोई सामग्री चाहिए, न अन्य व्यक्तियों का सहयोग चाहिए। यह पूर्ण व्यायाम हर कोई हर अवस्था में नित्य कर सकता है।

यौगिक आसन यदि केवल 15 मिनट के लिए ही नियमित रूप से किए जाएँ तो आश्चर्यजनक लाभ प्रदान करते हैं।

आसन-व्यायाम प्रत्येक आयु के स्त्री, पुरुष, बालक, वृद्ध के लिए हितकारी है।

व्यायाम से शरीर के उन भीतरी अंगों की शुद्धि होती है, उनकी त्रुटियाँ मिटकर शक्ति की वृद्धि होती है. जो जीवन को स्थिर रखने के मुख्य आधार है और शरीर में पर्याप्त दृढ़ता होती है, सहन-शक्ति भी बढ़ी-चढ़ी होती है। हाँ, इतना आवश्यक है कि व्यायाम को समझदारी के साथ और विधिपूर्वक किया जाए। यह केवल शारीरिक ही नहीं एक मानसिक प्रक्रिया भी है। इसमें विचारों तथा मन की शुद्धता, पवित्रता, श्रद्धा, विश्वास आदि की आवश्यकता होती है। दूसरे शब्दों में कहीं तो जिनको धार्मिक-जीवन कहते हैं, उसका अनुसरण करना आवश्यक होता है। जो इन बातों का ध्यान रखकर नियमित रूप से आसन व्यायाम का थोड़ा भी अभ्यास करते रहेंगे, वे सहज ही सब प्रकार के रोग, दोष और शारीरिक कष्टों से बचकर सुखी जीवन व्यतीत कर सकेंगे, इसमें संदेह नहीं।

हम पहले जैसा श्रम अब नहीं करते क्योंकि आटोमेशन का जमाना है। न हम पैदल चलते है, न कृषि कर्म में हल से जुताई। महिलाएं अब न चक्की पीसती हैं न झाडू-पोछा व न कपड़े धोना करती है। इससे शरीर में लचीलापन गायब होता जा रहा है। अब हमारे पास व्यायाम, योगा तथा आसन करके ही इसकी कमी-पूर्ति करने के अलावा विकल्प नहीं हैं। अत: इन्हें अपनाकर हम स्वस्थ रह पायेंगे। ध्यान रहे अच्छा स्वास्थ्य ही सबसे बड़ी पूंजी है।

**साभार : स्वस्थ रहने की कला भाग-3**

# ध्यान से बढ़ती है जागरुकता

व्यक्ति एक ही गलती को बार-बार इसलिए दोहराता है क्योंकि भटके हुए मन के साथ किए गए कर्म गलत हो जाते हैं। इस तरह गलती करना आदत बन जाती है। लेकिन जब हम ध्यान करने लगते हैं तब हमारी अवलोकन शक्ति (Observation Power) की मदद से गलती दिखाई देने लगती है। ध्यान करने का सीधा असर हमारी अवलोकन शक्ति पर पड़ता है। जैसे-जैसे ध्यान यात्रा आगे बढ़ती जाती है, वैसे-वैसे अपने आसपास हो रही सभी छोटी-बड़ी घटनाओं के प्रति हमारी जागरुकता बढ़ती जाती है। इसके लिए ध्यान को जीवन का हिस्सा बनाना पड़ता है। सीधे कहें तो ध्यान से मन की एकाग्रता और मन की एकाग्रता से अवलोकन शक्ति बढ़ती जाती है। इससे हम बेहतर तरीके से अपने दिनभर के सभी काम करने लगते हैं। अपने स्वास्थ्य के साथ-साथ संबंधों पर बेहतर तरीके से ध्यान देने लगते हैं। हम एक अच्छे नागरिक भी बन जाते हैं। हमारे द्वारा किए गए सभी कर्म सहज और दोषहीन तरीके से होने लगते हैं। इससे हम अपने कार्यक्षेत्र में भी आगे बढ़ने लगते हैं।

# शयन कक्ष और वास्तु

वास्तु शास्त्र में बेडरूम के बारे में विस्तार से चर्चा मिलती है। वास्तु अनुसार बने हुए शयनकक्षों के द्वारा गृह स्वामी को ऐश्वर्य, पारिवारिक सुख, उन्नति और समृद्धि प्राप्त होती है। जहां घर के शयनकक्ष वास्तु अनुरूप नहीं होते वहां पर संतान का नहीं होना या संतान के होने में कई बार काफी समय लग जाना, आर्थिक परेशानी होना, घर में बीमारियों का रहना और तनाव जैसी कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है इसलिए, घर में शयनकक्षों को वास्तु के अनुसार ही बनाना चाहिए।

- **मास्टर बेडरूम :** यह भवन स्वामी यानि मुखिया का कक्ष होता है। इसका निर्माण नैऋत्य कोण में करवाना चाहिए। कई बार घर के मुखिया व्यापार या नौकरी से रिटायर होने के बाद अपना बेडरूम बड़े लड़के को दे देते हैं जो कि ठीक भी है। अगर ग्राउंड फ्लोर के नैऋत्य कोण में पिता का मास्टर बैडरूम है तो फर्स्ट फ्लोर पर भी नैऋत्य कोण में ही बने रूम को बड़ा बेटा सेकंड मास्टर बैडरूम की तरह उपयोग में ले सकता है, वास्तु अनुसार यह सही है।
- **न्यू कपल के बेडरूम :** शादीशुदा लोगों के लिए भी नैऋत्य कोण में बेडरूम शुभ रहता है। किसी भी बेडरूम के रंगों का चयन उस व्यक्ति की कुंडली के लाभदायक ग्रहों के आधार पर करना ज्यादा उचित रहता है। जिस व्यक्ति की कुंडली में जो भी ग्रह बलशाली और योग कारक हो तो, उसी ग्रह से संबंधित कलर का बेडरूम में यूज़ करना फलदायक होता है जैसे किसी की कुंडली में केंद्रेश या त्रिकोणेश- सूर्य, मंगल, गुरु या शुक्र में से कोई ग्रह हो और वह ग्रह विशेष रूप से लग्न कुंडली के साथ ही नवमांश कुंडली में भी मजबूत व कारक ग्रह होकर बैठा हो तो, उस ग्रह के अनुसार पिंक, यलो या क्रीम कलर कराना उस जातक के लिए शुभ और लाभदायक रहेगा।
- आप जब भी अपने बच्चों की शादी करें तो शादी से पहले उनके बेडरूम को अच्छे तरीके से व्यवस्थित करवाएं। सीलन, जाले या बेकार सामान से भरे हुए कमरों में न्यू कपल को नहीं रखना चाहिए क्योंकि, यहां नकारात्मक ऊर्जा की संभावना ज्यादा रहती है।
- न्यू कपल के आग्नेय कोण मे रहने पर उनके बीच अक्सर विवाद देखने को मिलता है और कई बार यह स्थिति अलग रहने या तलाक तक भी पहुंच जाती है।
- न्यू कपल को ईशान कोण के बेडरूम में भी नहीं रहना चाहिए क्योंकि क्योंकि, ईशान कोण पूजा का स्थान है। इसलिए यहां बेडरूम होने पर कई बार शादी के काफी समय बाद भी संतान पैदा होने में प्रॉब्लम देखने को मिलती है।
- मैरिड कपल में गुड रिलेशनशिप के लिए अपने बेडरूम के नैऋत्य कोण की पश्चिमी दीवाल पर अपना हंसता हुआ फोटो लगाएं, इससे आपके जीवन में खुशी और सकारात्मक विचारों का प्रवेश होगा!
- **अग्नि कोण में स्थित बेडरूम** - आग्नेय कोण यानी कि साउथ ईस्ट में यदि आपने कोई रूम बना लिया है तो, उसे गेस्ट रूम के लिए यूज कर सकते हैं। आग्नेय कोण के रूम को बैडरूम या मास्टर बैडरूम नहीं बनाना चाहिए। आग्नेय कोण के बेडरूम मैं रहने से यदि आपका ब्लड प्रेशर, शुगर और तनाव यदि बढ़ रहा हो और घर का कोई सदस्य ज्यादा गुस्सा करता है या उसके अंदर चिड़चिड़ापन बढ़ता जा रहा है तो, आग्नेय कोड के दोषों की शांति के लिए आप अग्नि कोण वाले शयनकक्ष की पूर्वी दीवाल पर या अपने पूजा घर में प्राण प्रतिष्ठित व हस्त निर्मित अग्नि कोण के स्वामी शुक्र यंत्र की स्थापना अवश्य करें। इस शुक्र यंत्र से आग्नेय कोण के बेडरूम के वास्तु दोष में आपको काफी कमी देखने को मिलेगी।
- अब बात करें वायव्य कोण में बने बेडरूम की तो वास्तु के अनुसार घर के वायव्य यानि कि नॉर्थ वेस्ट में सबसे ज्यादा अस्थिरता होती है, वायव्य कोण मेहमानों के लिए भी शुभ माना जाता है। यहां ध्यान रखें कि, वायव्य कोण में दोष होने से कोर्ट, कचहरी के चक्कर और शत्रुता अक्सर बढ़ जाती है इसलिए, वायव्य कोण के दोषों की शांति के लिए वायव्य कोण के स्वामी चंद्र ग्रह का हस्त निर्मित वैदिक यंत्र वायव्य कोण के बेडरूम या पूजा घर में अवश्य लगाना चाहिए।
- अब बात करें ईशान कोण या स्टूडेंट्स के बेडरूम की तो- बच्चों के लिए पढ़ाई करते समय मुंह पूर्व दिशा की ओर और सोते समय सिर भी पूर्व दिशा की ओर ही रखना नॉलेज के लिए काफी हेल्पफुल माना जाता है, बच्चों के कमरे में ज्ञान के कारक गुरु ग्रह का वैदिक यंत्र ईशान कोण में अवश्य ही लगाना चाहिए!

■ ज्योतिष फलदायक न होकर फल सूचक है ! किसी भी निष्कर्ष पर पहुचने से पहले किसी योग्य ज्योतिर्विद से संपूर्ण कुंडली के परामर्श करने के बाद ही किसी सार्थक निर्णय पर पहुंचना उचित माना जाता है।

**-डॉ योगेश, ज्योतिषाचार्य, मानसरोवर, जयपुर।**

M.:8058169959

वि/1 श्री महेश चन्द जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/2 श्री नीरज धुन्धारिया, आनन्दपुरी, जयपुर
वि/3 श्री मनीष खोवाल कुमावत एडवोकेट, जयपुर
वि/4 श्री मनोज कुमार सिरसवा, जयपुर
वि/5 श्री शंकर लाल जायलवाल, टोंक रोड, जयपुर
वि/6 श्री यतेन्द्र अजमेरा, त्रिमूर्ती सर्किल, जयपुर
वि/7 श्री राकेश चन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/8 श्री संदीप नागा, बापू नगर, जयपुर
वि/9 श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, भौरोदिया जयपुर
वि/10 श्री मोहन कुमार घोड़ीवाल, जयपुर
वि/11 श्री नवल सरथल्या, महावीर नगर, जयपुर
वि/12 श्री पंकज कुमावत, वैरा झोटवाड़ा, जयपुर
वि/13 श्री चेतन कुमावत, डीसीएम, जयपुर
वि/14 श्री मनोज माचीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/15 श्री दीपक सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/16 श्री लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल, जयपुर
वि/17 श्री योगेश वर्मा, खड़गटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/18 श्री शैलेन्द्र खटगटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/19 श्री विनोद बालोदिया, दुर्गापुरा जयपुर (स्व.)
वि/20 श्री ओमकार मल घोड़ेला, रींगस रोड, जयपुर
वि/21 श्री रामपाल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/22 श्री रामप्रकाश बेरा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/23 श्री मोहनलाल घोड़ेला, नींदड़, जयपुर
वि/24 श्री कालूराम होदकास्या, नींदड़, जयपुर
वि/25 श्री जयनारायण मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/26 श्री महेंद्र खरोलिया, चांदपोल बाजार, जयपुर
वि/27 डॉ. सीताराम नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/28 श्री शंकरलाल मामोड़िया, 22 गोदाम, जयपुर
वि/29 श्री रामस्वरूप खोराणिया, जयपुर
वि/30 श्री नरेंद्र कुमार आर्य, ब्यावर, अजमेर
वि/31 श्री चेनसुख बड़ीवाल, बगरू, जयपुर
वि/32 श्री चांदमल कुमावत (घोड़ेला), मुंबई
वि/33 श्री राजसिंह गैदर, पांचावाला, जयपुर
वि/34 श्री मनोज ब्याडवाल, श्रीराम नगर, झोटवाड़ा
वि/35 श्री गोपाल मारवाल, श्रीमाधोपुर, सीकर
वि/36 श्री मनीष मारवाल, निवारू रोड, जयपुर
वि/37 श्रीरूप सिंह कारगवाल, जयपुर
वि/38 श्री दया प्रकाश जलांधरा, इंदौर
वि/39 श्री नवीन कुमार वर्मा भौंरोदिया, इंदौर
वि/40 श्री राजेंद्र प्रसाद, तमिलनाडु
वि/41 श्री शिव भगवान चेजारा, सिरस्वा, सीकर
वि/42 श्री तेज प्रकाश नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/43 श्री पृथ्वीराज जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/44 श्री मोहन कुमार बालोदिया, जयपुर
वि/45 श्री पुरुषोत्तम लाल घोड़ेला, जयपुर
वि/46 श्री ललित स्वरूप पोडेला, जयपुर
वि/47 श्री विजय कुमावत (भौरोदिया), जयपुर
वि/48 श्री अरविंद सिरस्वा, पचार, सीकर
वि/49 श्री मूलचंद खोवाल, जयपुर
वि/50 श्रीमती शशि वर्मा, धुमुनिया, दुर्गापुरा, जयपुर
वि/51 श्री राजेंद्र जूनवाल, टोंक फाटक, जयपुर

## विशिष्ठ संरक्षक

वि/52 श्री सतीश चंद खाटूवाल, जयपुर
वि/53 श्री नन्द किशोर सिरस्वा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/54 श्री संतोष खरनारिया कुमावत, अजमेर
वि/55 श्री प्रमोद कुडावलिया, छत्तीसगढ़,
वि/56 श्री मनोज बड़ीवाल, रायपुर, छत्तीसगढ़
वि/57 श्री श्रीराम नीमिवाल, जयपुर
वि/58 श्री भीवाराम दम्बीवाल, निर्माण नगर, जयपुर
वि/59 श्री पन्नाालाल सिरस्वा, निर्माण नगर, जयपुर
वि/60 श्री रामस्वरूप कुमावत, बड़ीवाल, मुम्बई
वि/61 श्री हेमेंद्र सिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/62 श्री साधुलाल चेजारा (सिरस्वा), जयपुर
वि/63 श्री गोपाललाल बासनीवाल, जयपुर
वि/64 श्री मोहनलाल मामोड़िया, जयपुर
वि/65 श्री रामकुमार बिरथलिया, जयपुर
वि/66 श्री जगदीश कुमावत
वि/67 श्री मुकेश कु. कुदीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/68 श्री रोहिताश मोरवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/69 श्री शुभकरण किरोड़ीवाल, सूरत
वि/70 श्री नान्छीलाल कुद्दीवाल, जयपुर
वि/71 श्री रमेश चंद माचीवाल, त्रिनगर, दिल्ली
वि/72 श्री राधेश्याम घासोलिया, दिल्ली
वि/73 श्री हंसराज मारवाल, ब्यावर
वि/74 श्री मेघराज सिरस्वा, छत्तीसगढ़
वि/75 श्री सूरजमल अनावड़िया, लाल कोठी, जयपुर
वि/76 श्री छीतरमल धुंधारिया, निवारू रोड, जयपुर
वि/77 श्री रामगोपाल खोराणिया, सोडाला, जयपुर
वि/78 श्री हरिशंकर राजौरा, जयपुर
वि/80 डॉ. प्रवीण कुमार मारवाल, झुंझुनूं
वि/81 श्री अर्जुन लाल धुन्धारिया, जयपुर
वि/82 श्री ओम प्रकाश धुन्धारिया, जयपुर
वि/83 श्री गोविंद नारायण तांगड़ा, जयपुर
वि/84 श्री सुरेंद्र सिंह तारकसी, बापू नगर, जयपुर
वि/85 श्री माधव दास बालोदिया, जयपुर
वि/86 श्री मोहित धुन्धारिया, जयपुर
वि/87 श्री बाबूलाल मंडावरा, जयपुर
वि/88 श्री मनीष वर्मा (सिरस्वा), दुर्गापुरा, जयपुर
वि/89 श्री हेमांक खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर
वि/90 श्री कैलाश जलान्धरा, माल की ढाणी, दूदू
वि/91 श्री लोकेश जंहाजपुरिया, नंदपुरी, जयपुर
वि/92 श्री नन्दकिशोर आसीवाल, रिंगस, सीकर
वि/93 श्री बाबूलाल धुन्धारिया, वीकेआई, जयपुर
वि/94 श्री रामसिंह बैथाड़िया, तुलसी सेन्ट्रल मैन बाजार, सांगानेर
वि/95 श्री मदन लाल कुमावत, निर्माण नगर, जयपुर
वि/96 श्री नरेंद्र मामोडिया, अशोक नगर, उदयपुर
वि/97 श्री बाबूलाल कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/98 श्री रमेश मारवाल, खातीपुरा, जयपुर
वि/99 श्री प्रहलाद नारायण कुमावत, जयपुर
वि/100 श्री सत्यनारायण कुमावत, जयपुर
वि/101 श्री दीपेश टी. मँडावरा, जयपुर
वि/102 श्री राकेश कुमावत (एडवोकेट), बरकत नगर, जयपुर
वि/103 श्री ओमप्रकाश कुमावत, जयपुर
वि/104 श्री रमेश चन्द ब्याड़वाल, नई दिल्ली
वि/105 डॉ. एन.के. कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/106 श्री राम प्रसाद छापोला, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/107 श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल, उदयपुर
वि/108 श्री राकेश कुमावत (धनारिया), उदयपुर
वि/109 श्री बाबूलाल वर्मा (ब्याड़वाल), नई दिल्ली
वि/110 श्री कन्हैयालाल खण्डारिया, जयपुर
वि/111 डॉ. महेश कुमार जालवाल, जयपुर
वि/112 डॉ. श्रीमती श्यामा कुमावत, उदयपुर
वि/113 श्री महेश कुमार कुमावत, किशनगढ़
वि/114 श्री मुकेश वर्मा (मरोड़िया), जयपुर
वि/115 श्री जयकिशन कुमावत (सोकिल), चौमूं
वि/116 श्री गजेंद्र मारवाल, सांगानेर, जयपुर
वि/117 श्री सुनील तोंदवाल, वीकेआई, जयपुर
वि/118 श्री मदनलाल जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/119 श्री सुमित कुमार घोड़ेला, मुंबई
वि/120 श्री ओम प्रकाश का कारगवाल, ब्यावर
वि/121 श्री प्रेमचन्द कुमावत (बैरा), झोटवाड़ा, जयपुर
वि/122 श्री योगेश वर्मा, मुम्बई
वि/123 श्री राजेश धूंधारिया, डूंडलोद कॉलोनी, जयपुर
वि/124 श्री सुनील प्रकाश वर्मा, मुम्बई
वि/125 श्री उम्मेद सिंह नन्दीवाल पुत्र श्री जी.एस. नन्दीवाल, जयपुर
वि/126 श्री रामलाल बैथाड़िया
वि/127 श्री लोकेन्द्र बालोदिया, जयपुर
वि/128 श्री कुमार गौरव कुमावत, कोटा
वि/129 श्रीमती मेघना कुमावत, जयपुर
वि/130 श्री गोपाल लाल कुण्डलवाल, जयपुर
वि/131 श्री दामोदर लाल जलान्दरा, जयपुर
वि/132 डॉ. पी.एम. कुमावत, उज्जैन
वि/133 श्री विमल कुमावत, जयपुर
वि/134 श्री महेन्द्र सिंह, बापूनगर, जयपुर
वि/135 श्री गोपाल लाल-सीताराम, जयपुर
वि/136 श्री रुपेश मारोठिया, बरकतनगर, जयपुर
वि/137 श्री घनश्याम देवतवाल, पटेल कॉलोनी, जयपुर
वि/138 श्री लक्ष्मीनारायण सिरस्वा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/139 श्री प्रहलादराय नोखवाल, भदाल, गोविन्दगढ़
वि/140 श्री घनश्याम खाटूवाल, ढोडसर
वि/141 श्री मुकेश कारगवाल, बरकत नगर, जयपुर
वि/142 श्री कैलाश खटोड़, गजसिंहपुरा, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
वि/143 श्री संजीव कुमार वर्मा, मानसरोवर एक्स., जयपुर
वि/144 श्री रामेश्वर बम्बोरिया, पवन टॉवर, सोडाला, जयपुर
वि/145 श्री राकेश कुमावत,(आसीवाल), बनीपार्क, जयपुर
वि/146 श्री यतेन्द्र सिंह, खिरणी फाटक, जयपुर
वि/147 श्री प्रारूप कुमावत, रांकड़ी, जयपुर
वि/148 श्री शिवदयाल धुंधारिया, सीकर रोड, जयपुर
वि/149 श्री छीतरमल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/150 श्री कैलाश घोड़ावड़, सूरत
वि/151 श्री गणेश लाल कुमावत, देवी नगर, जयपुर
वि/152 श्री ओम प्रकाश वर्मा, अलथान रोड, सूरत

## ''कुमावत इंडिया'' पत्रिका परिवार की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

15 अप्रेल श्री भगवती लाल कुमावत, इंदौर
18 अप्रेल श्री प्यारेलाल बींवाल, आदर्श नवल कॉलोनी, चौमूं, जयपुर
18अप्रेल श्री रामदयाल देवतवाल, सांगानेर, जयपुर
19 अप्रेल श्री अनिल जालवाल, कुमावत कॉलोनी, पंडित जी चक्की के पीछे, ब्यावर
20 अप्रेल श्री कैलाश धुंधारिया, कुमावत कॉलोनी, रूपनगढ़, अजमेर
20 अप्रेल श्री गोपाल लाल कुदीवाल, सोडाला, जयपुर
21 अप्रेल श्रीमती बिन्दू कुमावत, मानसरोवर, जयपुर
21 अप्रेल श्री शम्भूदयाल मोरवाल, दुर्गापुरा बस स्टेण्ड के पास, जयपुर
21 अप्रेल श्री कैलाश धुंधारिया, कुमावत कॉलोनी, रूपनगढ़, अजमेर
22 अप्रेल श्री कैलाश चन्द छापोल, कुमावत कॉलोनी, खातीपुरा रोड, जयपुर
23 अप्रेल श्री लाल चन्द राज (कुण्डलवाल), नटराज नगर, ईमली फाटक, जयपुर
24 अप्रेल श्रीमती जीवनी देवी जलांधरा, अजमेर रोड, जयपुर
25 अप्रेल श्रीमती फूली देवी साड़ीवाल, यूनिवर्सिटी रोड, उदयपुर
26 अप्रेल श्री प्यारेलाल बातरा, देवाली, उदयपुर
26 अप्रेल श्रीमती पार्वती देवी मारोठिया, नागा नगरी, उदयपुर
27 अप्रेल श्रीमती कोयली देवी, आईथान, ढोढसर
28 अप्रेल श्री जगदीश बालोदिया, बापूनगर, जयपुर
29 अप्रेल सुश्री वर्षा बालोदिया, जयपुर
30 अप्रेल श्री बाबूलाल मारवाल, झाड़ली वाले, निवारू रोड, जयपुर
1 मई श्री भागीरथ प्रसाद जलिन्द्रा (ठेकेदार), मुरलीपुरा, जयपुर
1 मई श्रीमती बरजी देवी मारवाल, धावास, अजमेर रोड, जयपुर
3 मई श्री कैलाश चन्द भुरोदिया, खोरा श्यामलदास, जयपुर
4 मई श्री भैरू राम भोरोदिया, पंवालिया, सांगानेर, जयपुर
7 मई श्रीमती नर्मदा देवी निमीवाल, गुढ़गौड़जी वाले, निवारू लिंक रोड, जयपुर
8 मई श्री नानूराम मारवाल, ग्राम जालसू, जयपुर
8 मई श्री भैरूराम जी पुत्र स्व. श्री भूराराम जी दम्बीवाल, उगरियावास
10 मई श्रीमती सेढ़ी देवी, बरबुंडा, लालकोठी, जयपुर
11 मई श्री पूरण चंद अनावड़िया पुत्र स्व. श्री फकीरचंद, गोपल कॉलोनी, सांगानेर, जयपुर
14 मई श्रीमती नानगी देवी माचीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर

# विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची

## युवक

| नाम | शिक्षा | व्यवसाय | जन्म | ऊंचाई | गौत्र | | | | संपर्क सूत्र मो. नंबर | स्थान |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | स्वयं | माता | दादी | नानी | | |
| नितेश | M.A. | Sales Execu. | 2.1.97 | 5'9'' | मारोठिया | रेनीवाल | सिरस्वा | बड़ीवाल | 9214830148 | फुलेरा |
| निखिल | B.A., ITI | Pvt. Job | 23.11.95 | 5'9'' | मारवाल | सिरस्वा | घोड़ेला | खोरानिया | 9461902364 | सीकर |
| सुनील | B.E. (civil) | Pvt. Manager | 29.9.94 | 5'6'' | देवतवाल | जलान्दरा | आईथान | आसीवाल | 9920236215 | चौमूं |
| पीयूष | B.Com., MBA | Pvt., Ltd. | 26.7.90 | 5'9'' | देवतवाल | अजमेरा | कुण्डलवाल | खोरानिया | 9982599000 | जयपुर |
| रोनक | M.Sc. | Research Associate | 15.1.96 | 5'10'' | बातरा | सुखड़िया | नरानिया | अडानिया | 7023769929 | नाथद्वारा |
| भूपेन्द्र | B.Tech.(CS) | Sr. Eng. Pvt. Ltd. | 7.5.96 | 5'10'' | बबेरीवाल | सारड़ीवाल | घोड़ेला | खोवाल | 7357887767 | जयपुर |
| नितिन | B.A.,LLB.DLL | Advocate | 6.1.97 | 5'8'' | देवरथ | गढ़वाल | होदकास्या | खोवाल | 7219912409 | जयपुर |
| मुकुलस्वामी | M.Arch. | Self Interior & Architech projects | 8.3.93 | - | डाल | बबेरीवाल | घोड़ेला | लोहरवाड़िया | 8769354109 | जयपुर |
| स्वप्नील | B.Tech.(IT) | Pvt. Ltd. | 16.2.97 | 6'1'' | देवतवाल | पारमवाल | किरोड़ीवाल | कुकड़वाल | 8208376814 | भिवाड़ी |
| अर्पित | M.A. (PS) | Real State Land | 2.10.98 | 5'10' | मावर | मोरवाल | बेडवाल | मारवाल | 9351222230 | अजमेर |
| चन्द्रप्रकाश | B.E. (E.E.) | Pro.Eng. in Pvt.Ltd. | 11.2.96 | 5'8'' | जलान्दरा | आईथान | आसीवाल | खाटूवाल | 9001142435 | जयपुर |
| नवनीत | M.Com, MBA | Online | 12.1.94 | 5'11'' | बबेरीवाल | कुदीवाल | खड़गटा | सिंघलवाल | 9413488684 | जयपुर |
| चेतन | B.A. | Seles Manager | 12.9.95 | 5'6'' | बातरा | भरभूटिया | कुदाल | सिरोहिया | 8949466817 | जयपुर |
| राकेश | M.A. | Operator | 1.1.95 | 5'8'' | घोड़ेला | चुन्दवाल | नेमीवाल | धमुनिया | 9680943116 | चौमूं |
| दिनेश | B.Sc. | Business | 26.10.96 | 5'8'' | बड़ानिया | मारवाल | टाटबाडिया | देवतवाल | 7792872904 | जयपुर |
| मेवाराम | M.A., B.Ed. | Pvt. Job | 2.1.96 | 5'6'' | कुसुम्बीवाल | रतीवाल | सिरस्वा | मारवाल | 9929053674 | जयपुर |
| रविकुमार | B.Com. | Pvt. Hospital | 13.7.94 | 5'6'' | तूंदवाल | होदकास्या | कुद्दीवाल | खटवाल | 7821039685 | सांगानेर |
| ओमप्रकाश | 10th | Self Business | 24.7.94 | 5'8'' | धुंधारिया | रतिवाल | मामोड़िया | खोवाल | 9588884909 | नीदड़ |
| अजय | BBA,MBA | Self Work | 12.2.98 | 5'8'' | मामोड़िया | कोलूगरिया | नेमीवाल | तूंदवाल | 9829494539 | जयपुर |

## युवतियाँ

| नाम | शिक्षा | व्यवसाय | जन्म | ऊंचाई | गौत्र | | | | संपर्क सूत्र मो. नंबर | स्थान |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | स्वयं | माता | दादी | नानी | | |
| आरती | M.Com, RSCIT | - | 22.1.98 | 5'1'' | जायलवाल | मारोठिया | केलगुरिया | राहोरिया | 9785297653 | ब्यावर |
| निकिता | M.A., Net | Pvt | 19.6.97 | 5'3'' | लोहरवाड़िया | जलान्दरा | रेवाड़िया | तूंदवाल | 9928874488 | जयपुर |
| ईशिता | B.Tech (EC) | Job in MNC | 4.12.97 | 5'1'' | तूंदवाल | पुचारिया | घोड़ेला | ओस्तवाल | 7742212111 | अजमेर |
| स्वेता | M.A., B.Ed. | - | 28.7.99 | 5'2'' | तूंदवाल | मारवाल | कारगवाल | कोलूगरिया | 8003586808 | जयपुर |
| पूजा | M.A., RSCIT | Competition | 12.11.96 | 5'5'' | किरोड़ीवाल | आसीवाल | मारवाल | दम्बीवाल | 9571371339 | जयपुर |
| सीमा | B, A | - | 15.9.94 | 5'4'' | जलिन्द्रा | साल्डिवाल | कारगवाल | मामोड़िया | 9414043651 | जयपुर |
| अंकिता | M.Com. | Web Designor | 24.3.90 | 5'1'' | मारवाल | बालोदिया | अनावड़िया | धुंधारिया | 9929403788 | जयपुर |
| पूजा | M.Sc. | - | 16.8.99 | - | पारमवाल | घोड़ेला | जलान्दरा | कारगवाल | 8952825103 | सीकर |
| मानसी | B.A., LLB, LLM | - | 23.5.99 | 5'5'' | केक्टया | दम्बीवाल | वनावडिया | नेमीवाल | 9414233279 | उदयपुर |
| भगवती | B.Com. | TCS Mumbai | 30.6.96 | 5'5'' | देवतवाल | जलान्दरा | आईथान | आसीवाल | 9920236215 | महाराष्ट्र |
| रिद्दीका | M.Com. | Assistant LIC | 23.11.95 | 5'0'' | घोड़ेला | कैक्टया | बावला | कुसुम्बीवाल | 9829675865 | जयपुर |
| हिमानी | M.Com. | Competition | 9.2.97 | 5'3'' | बड़ीवाल | मामोड़िया | घोड़ेला | मारवाल | 9829677060 | जयपुर |
| शक्सी(चिंकी) | LLB | Competition | 18.9.93 | 5'4'' | खोरानिया | किरोड़ीवाल | बिरथला | मारवाल | 9829111135 | जयपुर |
| संजना | BCA, NIIT | SEP Pvt.Ltd. | 19.11.97 | 5'0'' | घासोलिया | कारगवाल | धमुनिया | दादरवाल | 9560205440 | न्यू देहली |
| भावना | B.Sc. (Fashion Deg.) | Pvt. | 18.12.90 | 5'2'' | बबेरीवाल | सारड़ीवाल | घोड़ेला | खोवाल | 9461802111 | जयपुर |
| सुस्मीता | M.Com (ABST) | HDFC | 14.8.96 | 5'2'' | भोड़ीवाल | कुलचानिया | कोलूगरिया | खोवाल | 9909888842 | सीकर |
| निहारिका | B.Com. IIT | Job in Pvt. Ltd. | 5.9.2000 | 5'6'' | सारड़ीवाल | महंरावड़िया | खोवाल | कारगवाल | 9414030084 | जयपुर |
| वापिका | MCA | Job in Pvt. Ltd. | 28.6.92 | 5'0'' | मारवाल | जलान्दरा | जेठीवाल | बोड़िया | 9351708090 | जयपुर |
| दिव्या | B.Tech. | Job in Pvt. Ltd. | 29.6.91 | 5'3'' | भौरोदिया | छाबल्या | खूखवाल | खटवाल | 8947992776 | जयपुर |

**नोट :** 1. यदि आप अपनों की वैवाहिक जानकारी निःशुल्क प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उक्त कॉलम के अनुसार कार्यालय को जानकारी प्रेषित करें।

2. प्रदत्त सूचना के आधार पर यदि आपके किसी अपने का सम्बन्ध हो जाये तो कृपया 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

3. उपरोक्त वैवाहिक बायोडाटा की जानकारी व्यक्तिगत, विभिन्न वैवाहिक ग्रुप एवं मीडिया के द्वारा प्राप्त हुई है।

## पोस्टकार्ड से भी कम कीमत पर आपका संदेश, विज्ञापन समस्त भारत में पहुँचाने का एकमात्र सशक्त माध्यम ''कुमावत इंडिया पत्रिका''

**समाज बन्धुओं से निवेदन है कि पत्रिका में प्रकाशन हेतु यदि आप प्रकाशन सामग्रीः- समाचार, फोटो, लेख, कविता, प्रतिभाओं का परिचय, सामाजिक गतिविधियों, जनउपयोगी सूचना आदि प्रकाशित करवाना चाहते हैं तो कृपया kumawatindiapatrika@gmail.com पर मेल करें अथवा कार्यालय पते पर सामग्री प्रेषित करें।**

**-सम्पादक**

### आवश्यक सूचना

पत्रिकाएं नियमित रूप से हर माह की 25 तारीख को जयपुर से निर्धारित डाकघर में भेज दी जाती हैं। यदि किसी सदस्य को एक सप्ताह के अन्दर पत्रिका नहीं मिलती है तो आप अपने पोस्टमैन व पोस्ट मास्टर से शिकायत करें एवं हमें भी सूचित करें।

**'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशित सामग्री के तथ्य, आंकड़े व विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं तथा इसकी मौलिकता व सत्यता के लिए सम्पादक मण्डल, पत्रिका, प्रकाशक एवं ट्रस्ट विधिक रूप से उत्तरदायी नहीं है।**

■ किसी भी लेखन सामग्री या उसके किसी भाग के लिए प्रकाशन से 2 माह बाद कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

**समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।**

### पूर्वजों की याद को संजोये रखे

**'कुमावत इण्डिया' पत्रिका ने यह सुविधा दी है, समाज बन्धु अपने पूर्वज (माता-पिता, दादा-दादीजी, नाना-नानी आदि) की पुण्य तिथि 1/8 पेज में मल्टीकलर में फोटो सहित, शुल्क 500 रुपए एक बारीय अथवा 4000 रु. जमा कराकर 10 वर्ष तक प्रकाशित करा सकते हैं। - सचिव**

**पता बदलने तथा पत्रिका नहीं मिलने पर मो. 9414554322 पर नया पता पिन कोड सहित व्हाट्सएप करें।**

### -: विशेष निवेदन :-

1. **शोक समाचार, तीये की बैठक के समाचारों में नाम के साथ 'कुमावत' अवश्य लगाएं। क्योंकि समान गोत्र अन्य समाजों में भी मिलते हैं।**
2. **इस पत्रिका में हाल ही में दिवंगत हुए समाजजनों की श्रद्धांजलि एक लाईन में निःशुल्क प्रकाशित की जाती है। इस हेतु पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।**

### सदस्यता समाप्ति सूचना

3 वर्षीय सदस्यता वाले सदस्यों को सूचित किया जाता है कि उसकी सदस्यता समाप्त हो गई। कृपया शीघ्र नवीनीकरण करावें।

सामाजिक संस्थाओं व ट्रस्टों को विज्ञापन में 10 प्रतिशत की छूट।

## 'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें

डाक विभाग एवं अन्य के कारणों से आपको पत्रिका नहीं मिलती है तो कृपया अपने नजदीक सेन्टर पर जाकर प्राप्त करने का कष्ट करें तथा कृपया पत्रिका कार्यालय को पत्र, पोस्ट कार्ड आदि द्वारा सूचित करने का कष्ट करें।

**जयपुर :**

1. **लालकोठी बापूनगर**-श्री सुरेन्द्र नागा, सिवाड़ एरिया, बापूनगर, मो. 9414994006
2. **शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री महेश जलान्धरा मो. 9509344684
3. **कुमावत कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री सुरेन्द्र मारोठिया मो. 9314820385
4. **जयपुर शहर**-श्री राजसिंह बधानियां, म.नं. 454, मिश्र राजाजी का रास्ता, मो. 9414238799
5. **सांगानेर**-श्री भीमसिंह सिरोहिया, मालपुरा गेट मो. 9414359364
6. **मालवीय नगर**-श्री लक्ष्मीनारायण घोड़ीवाल, 7/218, मालवीय नगर, जयपुर मो. 9549656438
7. **22 गोदाम**-श्री चेतन बालोदिया, राज ब्लॉक, बी-81, रोड नं. 4 मो. 9414052736
8. **आदर्श नगर, तिलक नगर**-श्री शैलेन्द्र खड़गटा, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर मो. 9351682036
9. **दहमी कलां, बगरू**-श्री चेनसुख बड़ीवाल, ग्लोबल एकाउन्ट सर्विस दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड मो. 9929012987
10. **करधनी-कालवाड़ रोड**-श्री गणेश राम मारवाल, मै. जयश्री राम हार्डवेयर एण्ड पावर टूल्स टिम्बर दुकान नं. 90-91, करधनी शॉपिंग सेन्टर 9 दुकान कालवाड रोड, मो. 9828063267
11. **टोंक फाटक**- गणपति आर्ट एण्ड फ्रेम, 26 आदर्श बस्ती, मो. 8058157147
12. **बरकत नगर-महेश नगर**-श्री विशाल कम्प्यूटर्स, बरकत नगर महेश नगर फाटक के पास, जयपुर, मो. 94613-43432
13. **ब्यावर**-श्री नरेन्द्र आर्य, मो. 8107944493
14. **दिल्ली**-श्री राधेश्याम घासोलिया, मो. 9818711580
15. **फुलेरा**-श्री सुरेश नागा, जगदम्बा प्रिंटिंग प्रेस, बस स्टेण्ड के पास
16. **सोडाला** -घनश्याम फोटो लेमिनेशन एण्ड फ्रेमिंग, 31, कुमावत कॉलोनी, मो.9352070394

## CBSE-Xth में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को बधाई

**94%**
टीया सिंह
जयपुर

**90%**
प्रियांशी कुमावत
माचेड़ा, जयपुर

**81%**
टीया कुमावत
फुलेरा, जयपुर

**नोट :** समाजबंधुओं से निवेदन है कि CBSE/State Boards Xth or XII में 80 प्रतिशत व अधिक अंकों से उत्तीर्ण विद्यार्थियों के फोटो व नाम, पता मय प्रतिशत प्रकाशित करने हेतु अंक तालिका की प्रति सहित फोटो आदि श्री राम प्रकाश मारवाल के मोबाइल नं. 9414074376 पर वाट्सएप करें जिसे जून-2024 के अंक में प्रकाशित किया जाएगा।

बनारस के नमों घाट पर नरेश कुमावत मूर्तिकार द्वारा बनाई गई आकर्षक 'नमों वंदन' मूर्ति।

## भारती तोंदवाल ने परिंडा अभियान में सेवाएं दी

राजस्थान पत्रिका की जनप्रहरी व समाजसेविका श्रीमती भारती तोंदवाल ने पत्रिका की ओर से 'परिंडा' अभियान के तहत राजस्थान उच्च न्यायालय परिसर, ग्राम पहाड़िया, हरसूलिया, रेनवाल, जोबनेर व माधोराजपुरा की कई पंचायतों तथा सरकारी विद्यालयों के सार्वजनिक स्थानों पर पक्षियों के लिए परिंडे लगाए। इन्होंने पंचायतों के सरपंचों व विद्यालयों के प्रधानों को संकल्प दिलाया कि वे इन परिंडों में नियमित रूप से जलापूर्ति कराएंगे तथा इस अभियान को वे और आगे बढ़ाएंगे।

Ram Singh Rajoria
9352148279

Shanti Raj

Rohit Rajoria
9314522756

KENT
Health Care
PRODUCTS

House of Purity

विज्ञापन

Shanti Raj Associate

(Auth. Distributor & Service Centre For KENT R.O.)
(Deals in All Type of : Domestic & Commercial R.O.)

Near Sanganer Fly Over, Pratap Nagar, Sanganer, Tonk Road Jaipur
E-mail : shantirajassociate@gmail.com

### यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड एशिया-पैसिफिक रीजनल रजिस्टर में

# रामचरितमानस, पंचतंत्र और सहृदयलोक-लोकन शामिल

रामचरितमानस, पंचतंत्र और सहृदयलोक-लोकन को 'यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड एशिया-पैसिफिक रीजनल रजिस्टर' में शामिल किया गया है। यह समावेशन भारत के लिए एक गौरव का क्षण है, जिससे देश की समृद्ध साहित्यिक विरासत और सांस्कृतिक विरासत की पुष्टि होती है। यह वैश्विक सांस्कृतिक संरक्षण की दिशा में हो रहे प्रयासों में एक कदम आगे बढ़ने का प्रतीक है, जो हमारी साझा मानवता को आकार देने वाली विविध कथाओं और कलात्मक अभिव्यक्तियों को पहचानने और सुरक्षित रखने के महत्व पर प्रकाश डालता है। इन साहित्यिक उत्कृष्ट कृतियों का सम्मान करके, समाज न केवल उनके लेखकों की रचनात्मक प्रतिभा को सम्मान दिया है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करता है कि उनका गहन ज्ञान और कालातीत शिक्षाएं भावी पीढ़ियों को प्रेरित करती रहें और उनकी जानकारियां बढ़ाती रहें।

इन साहित्यिक कृतियों ने समय और स्थान से परे जाकर भारत के भीतर और बाहर दोनों जगह पाठकों और कलाकारों पर एक अमिट छाप छोड़ी है। उल्लेखनीय है कि 'सहृदयालोक-लोकन', 'पंचतंत्र' और 'रामचरितमानस' की रचना क्रमशः पं. आचार्य आनंदवर्धन, विष्णु शर्मा और गोस्वामी तुलसीदास ने की थी।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आईजीएनसीए में कला निधि प्रभाग के डीन (प्रशासन) और विभाग प्रमुख प्रोफेसर रमेश चंद्र गौड़ ने भारत से इन तीन प्रविष्टियों को उलानबटार सम्मेलन में 10वीं बैठक के दौरान प्रभावी ढंग से सफलतापूर्वक प्रस्तुत किया। यह उपलब्धि भारत की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने तथा साथ ही वैश्विक सांस्कृतिक संरक्षण और भारत की साहित्यिक विरासत की उन्नति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।

*पूजनीय पिता जी की प्रथम पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित*

जन्म : 14.08.1947

स्वर्गवास : 26.5.2023

## स्व. श्री ओमप्रकाश कुमावत (सिरोहिया)

पुत्र स्व. श्री मोहरी लाल कुमावत ( सिरोहिया )

**श्रद्धावनत**

**धर्मपत्नी :** मनोरमा देवी, **पुत्र-पुत्रवधु :** डॉ. सुनील सिरोहिया-ज्योति सिरोहिया, इंजी. पंकज सिरोहिया-प्रिया पंकज सिरोहिया (एडवोकेट), सुरेंद्र सिरोहिया, **पौत्र-पौत्री :** विशाल सिरोहिया, प्राची सिरोहिया, मनविक सिरोहिया एवं समस्त सिरोहिया परिवार।

**फर्म :**

- **कुमावत आयुर्वेद (सूरत)**
- **मनविक लीगल कंसल्टेंट (जयपुर)**
- **मनविक कंसल्टेट (आर्किटेक्चर, इंटीरियर) (कानपुर, जयपुर)**
- **कुमावत आयुर्वेदिक स्टोर**
- **कुमावत आयुर्वेदिक क्लिनिक (सूरत)**

**ए 2-3, पुरानी डिस्पेंसरी के पास, झोटवाड़ा, खातीपुरा रोड, जयपुर-302012**

श्रद्धांजलि

स्वर्गवास 26.5.2002

## स्व. श्री आनंदीलाल जी लखेसरा

की 22वीं पुण्य तिथि पर सादर श्रद्धांजलि

**श्रद्धान्वत**

पत्नी : श्रीमती सरन देवी,
पुत्र-पुत्रवधु : नारायण प्रकाश-बसंत
पुत्री-दामाद : विमला-प्रेमचंद जी
पौत्र-पौत्रवधु : मधुर वर्मा-शिवानी,
पौत्री-पौत्री दामाद : रितु-सुरेश जी, कविता-नरेश जी कुसुम-निशांत जी
पड़पौत्री : निर्विता

एफ-24, 4th एवेन्यू, लाल बहादुर नगर प., जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर मो. 9414238619

*तृतीय पुण्यतिथि 15 मई 2024*

स्वर्गवास 15.5.2021

## स्व. श्रीमती रामादेवी कुमावत (बधानिया)

हम सब परिवारजन अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

**श्रद्धान्वत**

पुत्र-पुत्रवधु : रवि कुमार कुमावत-राजबाला, पुत्री-दामाद : विमला ( अन्जू )-मोहन लाल, मन्जू-बद्रीप्रसाद कुमावत, पौत्र : चर्चित, पुलकित एवं समस्त खोवाल परिवार

**निवास : 48, रामद्वारा कॉलोनी, सांगानेर, जयपुर मो. 9829600411**

**श्रद्धांजलि प्रथम पुण्यतिथि**

जन्म तिथि : 20 अगस्त 1944
देवलोक गमन : 21.06.2023

## स्व. श्री चिरंजी लाल जी मारवाल (कुमावत)

( वरिष्ठ प्रारूपकार, MNIT )

सुपुत्र स्व. श्री जोधराज जी मारवाल (चित्रकार)

''पिता धर्मः पिता स्वर्ग पिता हिं परमं तप''

चिरस्मरणीय समाज सेवी बहुमुखी बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी स्व. श्री चिरंजी लाल जी मारवाल कुमावत समाज के अग्रपुरूष थे। आप सम्पूर्ण परिवार के लिए अथाह शक्ति के स्त्रोत थे। आपके जीवन ने हमें सत्य, परिश्रम एवं निःस्वार्थ कर्म का मार्ग दिखाया। आपका स्नेह सद्व्यवहार सेवा भावना ईश्वर भक्ति प्रेरणा दायक जीवन सदैव हमारा मार्ग दर्शन करता रहेगा। आपकी पावन स्मृति को मन में संजोए हम इस मार्ग पर निरंतर चलते रहेंगे। आपका विशाल व्यक्तित्व हमें जन सेवा के लिए सदैव प्रेरित करता रहेगा। हम समस्त परिवारजन सजल नयनों से सह्रदय प्रथम पुण्य तिथि पर शत-शत् नमन करते हुए सादर भावपूर्ण स्मरण एवं अश्रुपूरित श्रद्धाजंलि अर्पित करते है।

**श्रद्धावनत**

**धर्मपत्नी :** कैलाश देवी कुमावत **पुत्र :** शोभित मारवाल **पौत्री :** भक्ति मारवाल **पुत्री-दामाद :** स्व. प्रेमलता-मोहन लाल जी, सीमा-राजकुमार जी, अनिता-राजेश जी, विजयलक्ष्मी मारवाल, **दोहिता-दोहिता वधू :** नीतीश-दीक्षा प्रिया **दोहिते :** अभिषेक, सुयोग, दक्ष, पवित्रम **दोहिती-दामाद :** मेघा-चिराग जी **भतीजा-भतीजा वधू :** उम्मेद सिंह-बीना, गुमान सिंह -संतोष

**प्लाट नं. 217, पार्श्वनाथ नगर, टर्मिनल 1 रोड, हवाई अड्डे के सामने, सांगानेर, जयपुर-302029**
**सम्पर्क सूत्र 7976063230, 9352564779**

# शुभ विवाह हिमांशु संग खुशबू 21 अप्रेल, 2024

**शुभेच्छु** **वधू पक्ष :** श्रीमती रामसुखी देवी एवं श्री दामोदर लाल राजोरिया ( **दादीजी-दादाजी** ), श्रीमती मधु-राजेश जी राजोरिया ( **माता-पिता** ), सौरभ राजोरिया ( **भाई** ), श्रीमती बीना-डॉ. सुशील राज राजोरिया ( **चाची-चाचा** ), चैल्सी व दिवा ( **बहिने** )

**वर पक्ष :** श्रीमती फूला देवी-स्व. श्री रामदयाल गैदर ( **दादीजी-दादाजी** ), श्रीमती नमिता-दिनेश ( **माता-पिता** ), श्रीमती अमिता-रमेश ( **ताईजी-ताऊजी** ), श्रीमती अंजना-सतीश ( **चाची-चाचा** ), श्रीमती कमला-राधेश्याम जी कारगवाल, स्व. श्रीमती संतोष-ओमप्रकाश मारवाल ( **बूआ-फूफाजी** ), श्रीमती शोभिका-मनीष जी खण्डारिया एवं श्रीमती आयुषी-दिपेश जी माथुर ( **दीदी-जीजाजी/बहनोई** ), श्रीमती मेघावी-पारितोष ( **भाभी-भैया** ), स्व. श्रीमती कृष्णा देवी-जगदीश जी बालोदिया ( **नानीजी-नानाजी** ), श्रीमती सुमन-मनोज एवं श्रीमती राजबाला-अशोक ( **मामी-मामा** ), सुश्री चारू एवं जशित ( **बहन-भाई** ), अवयान ( **भतीजा** ) एवं समस्त गैदर परिवार

**26, आदर्श बस्ती, गली नं. 2, टोंक फाटक, जयपुर मो. 94146 54054**

# SP CONSTRUCTION

## Building INDIA'S Construction

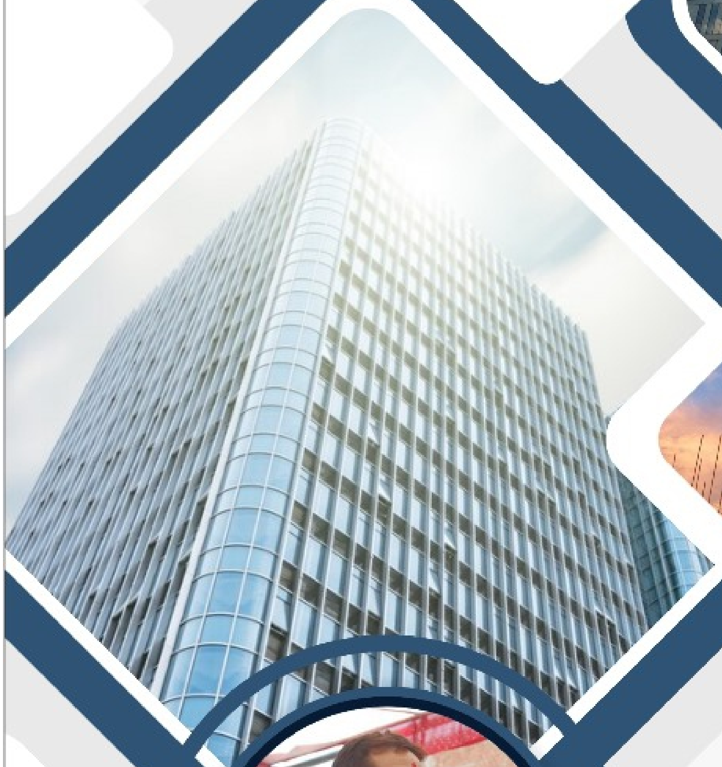

**SHASHI PAL KUMAWAT**

B-34, Devi Chiranjivi Colony, Surya Nagar, Gopal Pura Bye Pass, Jaipur 302015

Web: spconst.co.in E-Mail: info@spconst.co.in

# Shubh Laxmi Crane & Engineers

(Formally Know as Shri Laxmi Crane Service )

All India Equipments Rental Service Provider

**Jai Kishan Kumawat**
+91- 9829125428
+91- 9887011175

**Shankar Lal Kumawat**
+91- 9887227775

**Mukesh Kumar Kumawat**
+91- 9887337775

**H.O.**
Shree Heera Bhawan, Dholi Mandi
Chomu-303702 Distt. Jaipur (Rajasthan)

**B.O.**
Near Patwar Bhawan,Village - Kawas
Distt. Barmer - 344035 (Rajasthan)

shreelaxmicranes@gmail.com
shubhlaxmicrane@gmail.com

www : shrilaxmicrane.com

Graphic By : Art point # 9928064300


RNI - RAJHIN/2017/74285

प्रेषक: कुमावत इंडिया पत्रिका
एफ 31/ए, एस. एल. मार्ग,
लाल बहादुर नगर-प., दुर्गापुरा, जयपुर - 302018